मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 9 अंक 65
रविवार, 13 सितम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

ब्रिक्स देशों ने मिलकर लिया बड़ा संकल्प, महिलाओं, युवाओं और शिक्षा को मिलेगी नई ताकत

नई दिल्ली, 02 सितम्बर। भारत की राजधानी में आयोजित 18वें BRICS शिखर सम्मेलन में न्यू दिल्ली डिक्लेरेशन 2026 को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि किसी भी सदस्य देश ने आपत्ति नहीं जताई। घोषणा में सदस्य देशों के बीच सांस्कृतिक और जन-से-जन संपर्क बढ़ाने के साथ महिलाओं, युवाओं, शिक्षा, कौशल, पर्यटन, खेल और रोजगार के क्षेत्र में सहयोग मजबूत करने पर जोर दिया गया है। BRICS में ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं।

घोषणा पत्र में BRICS देशों ने शिक्षा, पर्यटन, संस्कृति, खेल और नागरिक समाज के जरिए आपसी संपर्क बढ़ाने की जरूरत बताई। देशों ने सांस्कृतिक विविधता, विरासत और रचनात्मकता के संरक्षण तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने पर सहमति जताई। BRICS संस्कृति महोत्सव, फिल्म और थिएटर महोत्सव जैसी पहलों को भी सहयोग बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया गया है। संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों की सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा और चोरी हुई ऐतिहासिक वस्तुओं को उनके मूल देशों को लौटाने पर भी जोर दिया गया। घोषणा में महिलाओं को आर्थिक विकास और सामाजिक बदलाव की प्रमुख शक्ति बताया गया। महिलाओं की शासन, वित्तीय और डिजिटल पहुंच, कौशल विकास, उद्यमिता और रोजगार में

भागीदारी बढ़ाने की बात कही गई। भारत की पहल से महिलाओं के डिजिटल कौशल और सफल प्रयोगों से जुड़ा स्वैच्छिक साझा मंच बनाने का भी स्वागत किया गया।

जलवायु कार्रवाई, खाद्य सुरक्षा और शांति निर्माण में महिलाओं की भूमिका को भी महत्वपूर्ण माना गया।

BRICS देशों ने शिक्षा को समावेशी विकास और आर्थिक प्रगति का प्रमुख आधार माना। तकनीकी और व्यावसायिक प्रशिक्षण को उद्योगों की बदलती जरूरतों से जोड़ने पर जोर दिया गया, ताकि युवाओं को भविष्य के रोजगार के लिए बेहतर तरीके से तैयार किया जा सके।

डिजिटल साक्षरता, छात्रवृत्ति, शैक्षणिक आदान-प्रदान और पारंपरिक व स्थानीय ज्ञान प्रणालियों में सहयोग बढ़ाने की भी बात कही गई। शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के सुरक्षित, नैतिक और मानव-केंद्रित इस्तेमाल पर भी जोर दिया गया। घोषणा में युवाओं को नवाचार, समावेशी विकास और भविष्य की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार बताया गया।

युवा उद्यमिता, विज्ञान-तकनीक, कौशल, खेल, पर्यावरण और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने का फैसला किया गया। श्रम क्षेत्र में भी बेहतर रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और कौशल जरूरतों का अनुमान लगाने के लिए सहयोग मजबूत करने की बात कही गई। मंच आधारित और स्वतंत्र काम करने वाले श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने पर भी जोर दिया गया।

पश्चिम बंगाल में वाम और तृणमूल ने हिंदू परंपराएं मिटाने की कोशिश की: शुभेंदु अधिकारी

कोलकता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को आरोप लगाया कि राज्य में लंबे समय तक सत्ता में रहे वाम मोर्चा और तृणमूल कांग्रेस ने बंगाली हिंदुओं की सांस्कृतिक परंपराओं को खत्म करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि मौजूदा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार बंगाली हिंदुओं से जुड़ी विरासत और परंपराओं को फिर से बहाल करने की कोशिश कर रही है। शुभेंदु ने केस्टोपुर में गणेश पूजा का उद्घाटन करने के बाद कहा कि राज्य की सांस्कृतिक पहचान को कमजोर करने की कोशिश लगभग पांच दशकों से जारी है। उन्होंने पश्चिम बंगाल में 34 साल के वाम मोर्चा शासन और 15 साल के तृणमूल कांग्रेस शासन का जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने जेल में बंद बांग्लादेशी हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास प्रभु की दयनीय स्थिति का भी उल्लेख किया जो मीडिया में

प्रकाशित नवीनतम तस्वीरों से इंगित होता है। संबंधित तस्वीरों में चिन्मय कृष्ण दास प्रभु अपनी मां के पार्थिव शरीर के पास दुखी हालत में दिखते हैं।

शुभेंदु ने कहा, चिन्मय प्रभु के आंसुओं ने दुनिया भर के सनातनियों को झकझोर दिया है। उनका यह बयान तृणमूल कांग्रेस द्वारा शुक्रवार को बांग्लादेशी हिंदू संत की दुर्दशा पर कथित तौर पर चुप्पी साधे रखने के लिए भाजपा की आलोचना किए जाने के एक दिन बाद आया है। शुभेंदु ने बंटवारे के समय पूर्वी पाकिस्तान के लोगों की दुर्दशा का भी जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि वामपंथी शासन के दौरान पारंपरिक हिंदू रीति-रिवाजों, धार्मिक ग्रंथों और त्योहारों को जानबूझकर हाशिए पर धकेल दिया गया।

उन्होंने दावा किया कि उस दौरान पूजा पंडालों में वामपंथी नेताओं-कार्ल मार्क्स और व्लादिमीर लेनिन की किताबें तो मिल जाती थीं, लेकिन स्वामी विवेकानंद, स्वामी प्रणवानंद और रामकृष्ण मिशन से जुड़ी रचनाएं वहां नहीं होती थीं। शुभेंदु ने आरोप लगाया, जिन लोगों ने 34 साल तक पश्चिम बंगाल पर शासन किया, वे नहीं चाहते थे कि हम अपनी धार्मिक परंपराओं, धर्मग्रंथों और रीति-रिवाजों के बारे में लिखें या उनका पालन करें।

'गुजरात में झूठ का प्रोपेगेंडा, न शुद्ध पीने का पानी और न फसल', मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 12 सितम्बर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुजरात में हर घर जल योजना के 90 प्रतिशत पानी के नमूने पीने लायक नहीं होने के कैग रिपोर्ट का हवाला देते हुए भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। गुजरात के 28 साल के अपने शासन के दौरान लगातार झूठे दावे और प्रोपेगेंडा फैलाने का आरोप लगाते हुए खरगे ने कहा कि पीएम मोदी के के 'हर घर जल' के दावे दूषित पानी में बह गए और हकीकत में गुजरात के लोग पानी की एक बूंद के लिए तरस रहे हैं। गुजरात में दूषित पेयजल संबंधी कैग रिपोर्ट के संदर्भ में एक्स पोस्ट पर मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, 'गुजरात में दशकों से भाजपा राज है पर 10 में से नौ सैंपल में पानी पीने लायक नहीं है। जब मोदी जी मुख्यमंत्री थे 2004 में सुजलाम-

सुफलाम योजना का ढिंढोरा पीटा गया। आज भी गुजरात की जनता बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रही है। खरगे ने आगे कहा, 'पीएम बने तो यही जुमलेबाजी जल जीवन मिशन में पहुंच गई। अब कैग ने भाजपा सरकार के 2022 में किए गए 100 प्रतिशत नल कनेक्शन के दावे की भी पोल खोल दी। 14 लाख घर आज भी पानी का इंतजार कर रहे हैं। दूषित जल से गुजरात में नागरिकों पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभाव का उल्लेख करते हुए खरगे ने कहा कि हालत ये है कि अहमदाबाद जिले के धोलका में पिछले हफ्ते ही दूषित पानी पीने के चलते कैंसर से 54 लोगों की मौत की खबर आई है। सौराष्ट्र में राजकोट और जामनगर जैसे इलाके आज भी पीने के पानी के लिए तरस रहे हैं। कच्छ-सौराष्ट्र के किसान सूखे से जूझ रहे हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि गुजरात की जनता को 2047 के विकसित भारत जैसा सपना दिखाया गया पर 28 सालों से भाजपा राज ने केवल झूठा प्रचार किया, नकली रंगीली तस्वीरें दिखाईं और जनता के आंखों में धूल झोंकी। खरगे ने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा राज में न सुजलाम यानि शुद्ध जल है, ना ही सुफलाम यानि भरपूर फल और उपजाऊ फसल हैं।

इंग्लैंड ने पाकिस्तान का सूपड़ा साफ किया: तीसरे टेस्ट में आठ विकेट से हराया, रूट और कॉक्स की शानदार साझेदारी

बर्मिंघम, 12 सितम्बर। कप्तान जो रूट और जॉर्डन कॉक्स की शानदार साझेदारी के दम पर इंग्लैंड ने पाकिस्तान को तीसरे टेस्ट मैच में आठ विकेट से हरा दिया। इंग्लैंड ने इस तरह पाकिस्तान ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज 3-0 से जीती और पाकिस्तान का सूपड़ा साफ कर दिया। शुरूआती दो टेस्ट मैच जीतकर पहले ही सीरीज अपने नाम कर चुकी इंग्लैंड ने तीसरा टेस्ट चौथे दिन ही जीत लिया। पाकिस्तान ने इंग्लैंड को 130 रनों का लक्ष्य दिया था जिसे इंग्लैंड ने दूसरी पारी में दो विकेट खोकर हासिल कर लिया। इंग्लैंड के लिए रूट और कॉक्स ने अर्धशतक जड़े।

पाकिस्तान की दूसरी पारी तीसरे दिन 449 रनों पर समाप्त हुई थी और उसे 129 रनों की बढ़त मिली थी। इंग्लैंड ने आज दूसरी पारी की शुरूआत की, लेकिन कम लक्ष्य का पीछा करते हुए उसे जल्द ही दो झटके लगे। मोहम्मद अब्बास ने पहले सत्र में शानदार गेंदबाजी की और बेन डेकेट तथा एमिलियो गे को खाता खोले बिना पवेलियन भेजा। इसके बाद कॉक्स और रूट ने मोर्चा संभाला। इन दोनों बल्लेबाजों ने सधी हुई बल्लेबाजी की और साझेदारी निभाई। रूट और कॉक्स के आगे पाकिस्तान के गेंदबाज संघर्ष करते नजर आए और अंत तक इन दोनों को आउट नहीं कर सके। रूट और कॉक्स दोनों अर्धशतक लगाने और टीम को आसान जीत दिलाने में सफल रहे। रूट 69 गेंदों पर नौ चौकों की मदद से 62 और कॉक्स 76 गेंदों पर आठ चौकों की मदद से 59 रन बनाकर नाबाद रहे।

पाकिस्तान के खिलाफ शानदार जीत के बाद इंग्लैंड को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की अंक तालिका में फायदा पहुंचा है। इंग्लैंड की टीम 16 मैचों में सात जीत, आठ हार और एक ड्रॉ के साथ 74 अंक और 38.54 पीसीटी के साथ छठे नंबर पर बरकरार है। वहीं, श्रीलंका की टीम 33.33 पीसीटी के साथ सातवें नंबर पर ही है। पाकिस्तान की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है और वह नौ मैचों में दो जीत और सात हार के साथ 16 अंक लेकर सबसे नीचे नौवें स्थान पर है। पाकिस्तान की पीसीटी 14.81 प्रतिशत है। भारत पांचवें स्थान पर बरकरार है, जबकि ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका शीर्ष दो में शामिल हैं।

पाकिस्तान ने इस मैच की पहली पारी में 133 रन बनाए थे, जबकि इंग्लैंड ने पहली पारी में 453 रन बनाकर 320 रनों की बड़ी बढ़त हासिल की थी। पाकिस्तान की बल्लेबाजी दूसरी पारी में अच्छी रही थी और शान मसूद तथा रजाउल्लाह ने दमदार बल्लेबाजी कर टीम को 100+ रनों की बढ़त दिला दी थी। शान मसूद शानदार बल्लेबाजी करते हुए शतक के करीब पहुंच गए थे, लेकिन सिर्फ पांच रन से चूक गए। वह 95 रन बनाकर आउट हुए। वहीं बाबर आजम ने 103 गेंदों पर 76 रन की पारी खेली थी।

सीरिया के कोबानी की जेल में भड़का दंगा, आग लगने से 7 कैदियों की मौत

सीरिया, 12 सितम्बर। सीरिया के कुर्द बहुल शहर में शनिवार को एक जेल में आग लगने के साथ ही वहां दंगा भड़क गया, जिसमें कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी सना के अनुसार, कोबानी जेल में कैदियों ने दंगा किया, जिसके बाद आग लग गई।

यह घटना शहर में एक दिन पहले कुर्दों और अरबों के बीच बढ़े तनाव के बाद हुई। तुर्किये की सीमा से लगे इस शहर में हाल में सीरियाई सरकारी बलों के प्रवेश के बावजूद जेल अब भी कुर्द लड़ाकों के नियंत्रण में है। ब्रिटेन स्थित युद्ध निगरानी समूह सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि दंगा कुछ कैदियों को उत्तरी शहर अलेप्पो की जेल में स्थानांतरित करने की योजना के विरोध में शुरू हुआ।

कोबानी पर करीब एक दशक पहले इस्लामिक स्टेट ने घेराबंदी की थी। बाद में यह अमेरिका समर्थित कुर्द अभियान का केंद्र बना, जिसने 2019 में चरमपंथी संगठन के कब्जे वाले अंतिम क्षेत्र को भी उससे छीन लिया। शुक्रवार को कुर्द समुदाय ने एक कुर्द व्यक्ति की हत्या के लिए अरबों को जिम्मेदार ठहराया, जिसके बाद कोबानी में दंगे हुए थे।

सीरिया के उत्तर-पूर्वी हिस्से को नयी दमिश्क सरकार के नियंत्रण में लाने की हालिया कोशिशों के बावजूद कुर्द अल्पसंख्यक और केंद्र सरकार के बीच तनाव बना हुआ है। अगस्त के अंत में अमेरिका समर्थित कुर्द नेतृत्व वाले सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेज के कमांडर ने संगठन के औपचारिक विघटन की घोषणा की थी।

पीएम मोदी की मलेशिया और इथियोपिया के पीएम के साथ द्विपक्षीय वार्ता, रक्षा साझेदारी पर बनी सहमति

नई दिल्ली, 12 सितम्बर। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की शुरूआत से पहले शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मलेशिया और इथियोपिया के प्रधानमंत्रियों के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बैठक हुई। दोनों देशों ने भारत के साथ रक्षा संबंधों को मजबूत बनाने की इच्छा जताई है। भारत ने पहले ही इन दोनों देशों के साथ आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया है। दक्षिण-पूर्व एशिया में चीन की आक्रामक नीतियों के कारण मलेशिया अपनी रक्षा तैयारियों को तेज कर रहा है, जबकि इथियोपिया में प्रधानमंत्री आबी अहमद की सरकार सैन्य आधुनिकीकरण पर जोर दे रही है। ऐसे में भारतीय रक्षा उद्योग के लिए दोनों देशों में व्यापक संभावनाएं दिख रही हैं। इसी वजह से प्रधानमंत्री मोदी

की इन दोनों नेताओं से हुई बैठकों को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पीएम मोदी ने नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से द्विपक्षीय मुलाकात की। मलेशिया को आसियान संगठन के अध्यक्ष के तौर पर आमंत्रित किया गया है। मोदी ने भागीदार देश के रूप में ब्रिक्स शिखर में मलेशिया की भागीदारी की सराहना की। दोनों नेताओं ने फरवरी 2026 में पीएम मोदी की मलेशिया यात्रा के परिणामों का जायजा लिया। उन्होंने व्यापार-निवेश, रक्षा एवं सुरक्षा, सेमीकंडक्टर, बुनियादी ढांचा, डिजिटल अर्थव्यवस्था, ऊर्जा, फिनटेक, शिक्षा, पर्यटन और जन-जन के बीच संबंधों सहित कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की समीक्षा की। मलेशियाई पीएम ने अपने देश सबाह के कोटा किनाबालू में भारत का महावाणिज्य दूतावास स्थापित करने पर मलेशिया की सहमति व्यक्त की।

TIWARI'S
SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
- 34+ Years of Academic Excellence
- Experienced & Dedicated Faculty
- Personal Attention
- Printed Notes & Regular Tests
- Strong Foundation for Boards & Competitive Exams

Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055

Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai

Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- NEET
- JEE (Main & Advance)
- MHT-CET
- Polytechnic & Engg
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

दुनिया की चिंता, एआई कैसे बनता जा रहा है भस्मासुर

-संजय सक्सेना

भारत में चल रहा ब्रिक्स सम्मेलन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के फायदे और नुकसान को लेकर दुनिया को आईना दिखाने के लिये एक बड़ा महत्वपूर्ण प्लेटफार्म साबित हो सकता है। एआई क्रांति को लेकर जब हम गहराई में जाते हैं, तो रोजगार से लेकर तमाम क्षेत्रों में इसका प्रभाव और डीपफेक से निपटने के वैश्विक प्रयास दो सबसे बड़े और महत्वपूर्ण किनारे दिखाई देते हैं, जहां आज की दुनिया को एआई को लेकर सबसे सख्त फैसलों और सुरक्षा के लिये सख्त कदम उठाने की जरूरत है। ये दोनों विषय केवल तकनीकी चुनौतियां नहीं हैं, बल्कि ये हमारे सामाजिक ढांचे के स्थायित्व और हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की शुद्धता से सीधे जुड़े हुए हैं। जब हम रोजगार के मोर्चे पर एआई के असर का विश्लेषण करते हैं, तो यह साफ हो जाता है कि हम श्रम बाजार के एक ऐतिहासिक पुनर्गठन के गवाह बन रहे हैं। अतीत की औद्योगिक क्रांतियों ने नीली वर्दी वाले श्रमिकों यानी मैनुअल लेबर को प्रभावित किया था, लेकिन इस बार की एआई क्रांति सीधे सफेदपोश नौकरियों (वाइट कलर जॉब्स) पर हमला कर रही है। डेटा एंट्री, बुनियादी कोडिंग, कंटेंट राइटिंग, कस्टमर सपोर्ट और कानूनी दस्तावेजों की शुरूआती समीक्षा जैसे काम, जो कभी लाखों युवाओं की आजीविका का साधन थे, अब कुछ सेकंड में एआई द्वारा पूरे किए जा रहे हैं। इसका असर यह हो रहा है कि कॉर्पोरेट जगत में लागत कम करने और मुनाफा बढ़ाने की होड़ मची है, जिससे बड़े पैमाने पर छंटनी और नई नौकरियों के अवसरों में कमी देखी जा रही है। लेकिन इस संकट का एक दूसरा पहलू भी है जिसे विशेषज्ञ स्किल री-ओरिएंटेशन या कौशल का पुनर्गठन कहते हैं। एआई केवल नौकरियां छीन नहीं रहा है, बल्कि यह नए तरह के काम भी पैदा कर रहा है, जैसे कि प्रॉम्प्ट इंजीनियर्स, एआई एथिक्स स्पेशलिस्ट और डेटा क्यूरेटर्स। चुनौती यह नहीं है कि दुनिया में काम खत्म हो जाएगा, बल्कि चुनौती यह है कि जिस गति से पुरानी नौकरियां जा रही हैं, क्या हमारा कार्यबल उतनी गति से खुद को अपग्रेड कर पा रहा है? इस बदलाव के कारण समाज में एक बड़ा डिजिटल डिवाइड या आर्थिक असमानता पैदा होने का खतरा है, जहां उच्च तकनीकी कौशल वाले लोग तो बेहद अमीर हो जाएंगे, लेकिन पारंपरिक कौशल वाले लोग पूरी तरह हाशिए पर चले जाएंगे।

इस आर्थिक उथल-पुथल के समानांतर, एक और संकट हमारी सामाजिक स्थिरता को खोखला कर रहा है, और वह है डीपफेक तकनीक का दुरुपयोग। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से किसी भी व्यक्ति के चेहरे, हाव-भाव और आवाज की ऐसी हूबहू नकल तैयार की जा सकती है कि असली और नकली का अंतर करना लगभग असंभव हो जाता है। चुनावों के दौरान फर्जी राजनीतिक बयान जारी करके मतदाताओं को गुमराह करना, वित्तीय धोखाधड़ी के लिए किसी बड़े अधिकारी या परिवार के सदस्य की नकली आवाज का इस्तेमाल करना और महिलाओं की अश्लील या आपत्तिजनक तस्वीरें बनाकर उन्हें प्रताड़ित करना इसके आम उदाहरण बन चुके हैं। यह तकनीक सीधे तौर पर समाज के सबसे बड़े स्तंभ विश्वास पर चोट करती है। जब समाज में यह धारणा आम हो जाएगी कि जो दिख रहा है या सुनाई दे रहा है वह झूठ हो सकता है, तो सूचनाओं की विश्वसनीयता पूरी तरह खत्म हो जाएगी, जिससे अराजकता की स्थिति पैदा हो सकती है। इस भयानक खतरे को भांपते हुए, पिछले कुछ समय में डीपफेक से निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर अप्रत्याशित प्रयास शुरू हुए हैं। दुनिया भर की सरकारें, तकनीकी कंपनियां और नागरिक समाज अब इस बात पर सहमत हैं कि इस अनियंत्रित तकनीक पर लगाम लगाना बेहद जरूरी है। कानूनी मोर्चे पर, यूरोपीय संघ ने इस दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए एआई एक्ट को लागू किया है, जो दुनिया का पहला व्यापक एआई कानून है। यह कानून हाई-रिस्क एआई प्रणालियों पर कड़े प्रतिबंध लगाता है और डीपफेक सामग्री को अनिवार्य रूप से लेबल करने का नियम बनाता है, ताकि उपभोक्ताओं को पता चल सके कि वे जो देख रहे हैं वह कृत्रिम रूप से तैयार किया गया है। अमेरिका और भारत जैसी बड़ी लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं ने भी अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और चुनावी अखंडता को बचाने के लिए कड़े नियम बनाए हैं, जिसके तहत बिना सहमति के किसी का डीपफेक बनाना या उसे सोशल मीडिया पर फैलाना एक गंभीर और दंडनीय अपराध घोषित किया जा चुका है।

इसके साथ ही, तकनीकी कंपनियां अब केवल कानून के भरोसे नहीं बैठी हैं, बल्कि वे तकनीक का मुकाबला तकनीक से ही करने की रणनीति पर काम कर रही हैं। माइक्रोसॉफ्ट, गूगल और मेटा जैसी कंपनियों ने ऐसे एडवांस्ड एल्गोरिदम और टूल विकसित किए हैं जो डीपफेक वीडियो में पिक्सल के स्तर पर होने वाली विसंगतियों और आवाज के कृत्रिम पैटर्न को पकड़ सकते हैं। वॉटरमार्किंग और क्रिप्टोग्राफिक प्रूवनेंस जैसी तकनीकों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे किसी भी डिजिटल कंटेंट के जन्म और उसके इतिहास को ट्रैक किया जा सके। इसके अलावा, वैश्विक स्तर पर कंटेंट ऑथेंटिसिटी इनिशिएटिव्स सीएआई जैसे गठबंधन काम कर रहे हैं, जो डिजिटल मीडिया की प्रामाणिकता की जांच के लिए नए वैश्विक मानक तय कर रहे हैं। हालांकि, इन तमाम तकनीकी और कानूनी प्रयासों के बावजूद, सबसे बड़ी चुनौती इसकी गति और पहुंच को लेकर है। कानून और डिटेक्शन टूल्स हमेशा एआई के नए अपडेट्स से एक कदम पीछे रह जाते हैं। इसलिए, इस लड़ाई का सबसे महत्वपूर्ण हथियार डिजिटल साक्षरता और जन जागरूकता को माना जा रहा है। जब तक आम नागरिक किसी भी सनसनीखेज वीडियो या ऑडियो को देखने के बाद उस पर तुरंत भरोसा करने के बजाय उसकी सत्यता की जांच करना नहीं सीखेंगे, तब तक डीपफेक का खतरा बना रहेगा। रोजगार का संकट हो या डीपफेक की चुनौती, एआई ने मानवता को एक ऐसे चौराहे पर ला खड़ा किया है जहां हमारा विवेक, हमारी नीतियां और हमारी एकजुटता ही यह तय करेगी कि यह तकनीक हमारा भविष्य संवारेगी या उसे अंधकार में धकेल देगी।

वैश्विक अनिश्चितता के दौर में आर्थिक संबल बनता भारतः ब्रिक्स में नई दिल्ली की कूटनीतिक धमक

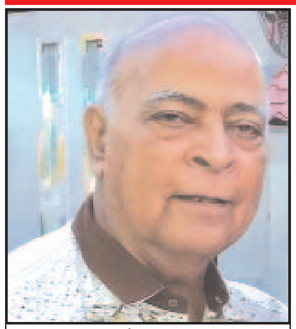

अशोक भाटिया

वैश्विक अर्थव्यवस्था इस समय एक ऐसे दोराहे पर खड़ी है जहां अनिश्चितता, भू-राजनीतिक तनाव और मंदी की आशंकाओं ने विकसित देशों की रफ्तार को धीमा कर दिया है। ऐसे संकटपूर्ण वैश्विक परिदृश्य में नई दिल्ली के 'भारत मंडपम' में आयोजित 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन दुनिया के लिए एक नई उम्मीद बनकर उभरा है। इस सम्मेलन का सबसे बड़ा और स्पष्ट संदेश यह है कि जब पूरी दुनिया युद्धों के साए और आर्थिक अस्थिरता से जूझ रही है, तब भारत वैश्विक मंच पर आर्थिक विकास (ग्रोथ) का सबसे मजबूत और भरोसेमंद चेहरा बनकर सामने आया है। ब्रिक्स के मंच पर भारत की इस आर्थिक धमक और कूटनीतिक कौशल ने यह साबित कर दिया है कि नई दिल्ली अब केवल वैश्विक विमर्श का हिस्सा नहीं है, बल्कि वह वैश्विक एजेंडा तय करने वाली महाशक्ति बन चुकी है। 'भारत का डंका' बजने का यह स्वर केवल राजनीतिक बयानबाजी नहीं, बल्कि ठोस आर्थिक आंकड़ों, सुधारों और कूटनीतिक परिपक्वता की बुनियाद पर टिका हुआ है।

इस शिखर सम्मेलन में भारत की केंद्रीय भूमिका को समझने के लिए सबसे पहले उस वैश्विक पृष्ठभूमि को देखना होगा जिसमें इसका आयोजन हो रहा है। एक तरफ जहां यूरोप और अमेरिका जैसे पारंपरिक आर्थिक पावरहाउस उच्च मुद्रास्फीति, कर्ज के संकट और अंदरूनी राजनीतिक अस्थिरता से कमजोर हुए हैं, वहीं दूसरी तरफ रूस-यूक्रेन युद्ध और मध्य पूर्व के संकट ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को छिन्न-भिन्न कर दिया है। इस चौतरफा संकट के बीच अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसी संस्थाएं लगातार भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था मान रही हैं। जब ब्रिक्स के पुराने और नए सदस्य देश नई दिल्ली में एकत्रित हुए, तो उनके सामने एक ऐसा भारत था जिसने न केवल महामारी और युद्ध के झटकों को सफलतापूर्वक झेला है, बल्कि अपनी विकास दर को 7 प्रतिशत से ऊपर बनाए रखा है। यही कारण है कि इस सम्मेलन में भारत द्वारा दिए गए 'ग्रोथ के भरोसे' को दुनिया ने हाथों-हाथ लिया है।

भारत की इस सफलता का सबसे मजबूत स्तंभ उसकी 'रणनीतिक स्वायत्तता' और संतुलित कूटनीति है। ब्रिक्स समूह का इस समय अभूतपूर्व विस्तार हो चुका है, जिसमें अब ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और मिस्र जैसे देश शामिल हैं। इन देशों के आने से ब्रिक्स की आर्थिक ताकत तो बढ़ी है, लेकिन इसके साथ ही समूह के भीतर भू-राजनीतिक जटिलताएं और आपसी मतभेद भी गहरे हुए हैं। मिसाल के तौर पर, ईरान और खाड़ी देशों के बीच के ऐतिहासिक तनाव या फिर अमेरिका के साथ उनके समीकरणों को संभालना बेहद नाजुक काम है। इसके अलावा, चीन की इस समूह को एक 'पश्चिम-विरोधी' ब्लॉक बनाने की महत्वाकांक्षा भी किसी से छिपी नहीं है। ऐसे जटिल माहौल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने ब्रिक्स को 'पश्चिम-विरोधी' बनने से रोककर उसे 'गैर-पश्चिम' मंच के रूप में बनाए रखने में सफलता पाई है। भारत ने स्पष्ट किया है कि ब्रिक्स का उद्देश्य किसी देश या ब्लॉक के खिलाफ मोर्चा खोलना नहीं, बल्कि वैश्विक दक्षिण की आवाज को बुलंद करना और एक न्यायसंगत वैश्विक व्यवस्था का निर्माण करना है।

भारत की आर्थिक ताकत का लोहा मानने के पीछे देश का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और तकनीकी क्रांति एक बड़ा कारण है। भारत ने ब्रिक्स देशों के सामने अपने सफल 'इंडिया स्टैक' यानी यूपीआई , आधार और डिजीलॉकर जैसे स्वदेशी डिजिटल समाधानों को पेश किया है। आज जब विकसित देश भी डिजिटल भुगतान के महंगे और एकाधिकारवादी मॉडलों पर निर्भर हैं, तब भारत ने एक ऐसा लोकतान्त्रिक और समावेशी वित्तीय ढांचा खड़ा किया है जिसने करोड़ों लोगों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा है। ब्रिक्स सम्मेलन में भारत ने इन तकनीकों को अन्य विकासशील देशों के साथ साझा करने का जो प्रस्ताव रखा है, वह इन देशों के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकता है। अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के नए व आकांक्षी ब्रिक्स सदस्यों के लिए भारत का यह मॉडल वित्तीय समावेशन का एक ऐसा ब्लूप्रिंट है, जिसे वे बिना किसी भारी कर्ज के अपने देशों में लागू कर सकते हैं। यही वह बिंदु है जहां भारत दुनिया को केवल पूंजी का नहीं, बल्कि विकास के व्यावहारिक रास्तों का भरोसा दे रहा है। इसके साथ ही, विनिर्माण और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की छलांग ने निवेशकों के भीतर एक नया विश्वास पैदा किया है। 'मेक इन इंडिया' और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव जैसी योजनाओं के माध्यम से भारत अब दुनिया का वैकल्पिक विनिर्माण हब बन चुका है। चीन पर अपनी निर्भरता कम करने की कोशिश में जुटी वैश्विक कंपनियां भारत को 'प्लस वन' रणनीति के तहत सबसे सुरक्षित और व्यवहार्य ठिकाने के रूप में देख रही हैं। ब्रिक्स देशों के बीच व्यापारिक चर्चाओं में भारत ने खुद को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के एक मजबूत और अटूट लिंक के रूप में स्थापित किया है। चाहे वह सेमीकंडक्टर का क्षेत्र हो, मोबाइल विनिर्माण हो या फिर फार्मास्यूटिकल्स—भारत की क्षमताएं अब वैश्विक स्तर पर प्रमाणित हो चुकी हैं। हरित ऊर्जा के मोर्चे पर भी, अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन और जैव ईंधन गठबंधन जैसी पहलों के जरिए भारत ने यह दिखाया है कि वह आर्थिक विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी उतना ही गंभीर है।

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

शिखर सम्मेलन का एक और अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू ब्रिक्स के भीतर 'डी-डॉलराइजेशन' यानी अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने और स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा देने की चर्चा है। इस मोर्चे पर भारत की नीति अत्यंत व्यावहारिक और दूरदर्शी रही है। जहां कुछ सदस्य देश पूरी तरह से डॉलर को उखाड़ फेंकने की आक्रामक और जल्दबाजी भरी वकालत कर रहे हैं, वहीं भारत ने 'रुपी-ट्रेड' के अपने सफल प्रयोगों को सामने रखकर एक मध्यम मार्ग दिखाया है। भारत ने रूस, यूएई और कई अन्य देशों के साथ स्थानीय मुद्राओं में व्यापार की शुरूआत करके यह साबित किया है कि बिना किसी वैश्विक वित्तीय उथल-पुथल के भी अपनी मुद्रा को मजबूत किया जा सकता है। ब्रिक्स के मंच पर भारतीय रुपये की स्वीकार्यता बढ़ाने की इस कोशिश को व्यापक समर्थन मिला है, जो आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भारत के प्रभुत्व को और बढ़ाएगा।

भारत के इस आर्थिक उभार ने चीन की उस रणनीति को भी तगड़ा झटका दिया है जिसके तहत वह ब्रिक्स को अपनी 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' जैसी विस्तारवादी योजनाओं के विस्तार का जरिया बनाना चाहता था। भारत ने हमेशा संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने वाले पारदर्शी बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर दिया है। इस सम्मेलन में भी भारत ने यह सुनिश्चित किया कि ब्रिक्स का एजेंडा किसी एक देश की विस्तारवादी सोच से संचालित न होकर सामूहिक विकास पर केंद्रित रहे। यही कारण है कि वैश्विक दक्षिण के देश अब चीन के 'कर्ज जाल' से डरकर भारत को एक अधिक विश्वसनीय और लोकतांत्रिक भागीदार के रूप में देख रहे हैं। भारत की 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना ब्रिक्स के सिद्धांतों में साफ झलकती है, जो इसे केवल एक आर्थिक मंच से ऊपर उठाकर एक मानवीय और न्यायसंगत संगठन बनाती है।

हालांकि, इस सफलता के बीच चुनौतियां कम नहीं हैं। ब्रिक्स के भीतर आंतरिक अंतर्विरोध हमेशा से इसकी सबसे बड़ी कमजोरी रहे हैं। भारत और चीन के बीच का सीमा विवाद, नई दिल्ली और बीजिंग के रणनीतिक संबंधों में पूरी तरह से बर्फ पिघलने की राह में अब भी एक बड़ी रुकावट है। इसके अतिरिक्त, रूस पर पश्चिमी प्रतिबंधों का साया और ईरान की भागीदारी के कारण इस समूह पर पश्चिमी देशों की पैनी और संदेहास्पद नजर बनी हुई है। लेकिन इन सबके बावजूद, भारत ने अपनी कूटनीतिक चतुरता से इन अंतर्विरोधों को अपने विकास एजेंडे पर हावी नहीं होने दिया। नई दिल्ली ने यह स्पष्ट कर दिया है कि द्विपक्षीय मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन बहुपक्षीय मंचों पर आर्थिक सहयोग और वैश्विक विकास की प्राथमिकताओं को रोका नहीं जा सकता।

18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का समापन भारत के लिए एक बड़ी कूटनीतिक और आर्थिक विजय के रूप में देखा जाना चाहिए। भारत ने न केवल एक सफल और निर्बाध सम्मेलन की मेजबानी की है, बल्कि दुनिया को मंदी के दौर से बाहर निकलने का एक नया विजन भी दिया है। भारत की विशाल घरेलू मांग, युवा जनसांख्यिकी , राजनीतिक स्थिरता और निरंतर होते आर्थिक सुधारों ने इसे वैश्विक विकास का एक ऐसा इंजन बना दिया है जिसे कोई भी नजरअंदाज नहीं कर सकता। 'भारत का डंका' बजने का सीधा अर्थ यह है कि अब वैश्विक अर्थव्यवस्था से जुड़े फैसले नई दिल्ली की सहमति के बिना नहीं लिए जा सकते। भारत ने इस ब्रिक्स सम्मेलन के माध्यम से दुनिया को जो 'ग्रोथ का भरोसा' दिया है, वह आने वाले दशकों में एक 'विकसित भारत' और एक अधिक संतुलित, बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करेगा।

प्रथम पूज्य परमेश्वर ईश्वर गणपति बप्पा मोरया

-विक्रम दयाल

भारतीय सनातन परंपरा में किसी भी शुभ कार्य का आरंभ जिस नाम के स्मरण से होता है, वह नाम है–श्री गणेश। वे केवल एक देवता नहीं, बल्कि भारतीय अध्यात्म में शुभारंभ, बुद्धि, विवेक, विनम्रता और मंगल के प्रतीक हैं। उनके स्मरण के साथ मनुष्य अपने भीतर यह विश्वास जगाता है कि जीवन की राह चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हो, यदि बुद्धि निर्मल है, विवेक जागृत है और ईश्वर के प्रति श्रद्धा अटूट है, तो बाधाओं को पार करने का मार्ग अवश्य निकलता है। इसीलिए जन-जन के कंठ से सहज ही स्वर निकलता है– ह्लगणपति बप्पा मोरया !ह्व यह केवल जयघोष नहीं है। इसके भीतर श्रद्धा है, विश्वास है, अपनापन है और उस परम शक्ति के प्रति समर्पण है, जिसे मनुष्य अपने सुख-दुःख का साक्षी मानता है। श्रीगणेश को प्रथम पूज्य कहा गया है। इसका अर्थ केवल इतना नहीं कि पूजा में सबसे पहले गणेशजी का पूजन किया जाए। इसके पीछे एक गहरा आध्यात्मिक संदेश छिपा है–किसी भी कार्य से पहले मनुष्य अपने भीतर की बुद्धि और विवेक को जागृत करे। क्योंकि जीवन में सबसे बड़ी बाधा बाहर नहीं, कई बार हमारे भीतर होती है। अहंकार, क्रोध, लोभ, मोह, ईर्ष्या, अधैर्य और असंयम–ये ऐसी अदृश्य बाधाएं हैं जो मनुष्य की गति रोक देती हैं। श्रीगणेश का स्मरण हमें इन आंतरिक बाधाओं पर विजय पाने की प्रेरणा देता है। प्रथम पूज्य होने का आध्यात्मिक अर्थ गणेशजी का स्वरूप अपने आप में एक अध्यात्मिक संदेश है। उनका विशाल मस्तक हमें व्यापक सोच रखने की प्रेरणा देता है। बड़े कान कहते हैं कि मनुष्य अधिक सुने और कम बोले। छोटी आंखें एकाग्रता का संदेश देती हैं। लंबी सूंड परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालने और सूक्ष्म से सूक्ष्म बात को समझने की क्षमता का प्रतीक मानी जाती है। उनका विशाल उदर मानो कहता है कि जीवन में बहुत कुछ ऐसा भी आएगा जिसे समझना, सहना और पचाना पड़ेगा। हर बात का उत्तर क्रोध नहीं होता। हर विरोध का उत्तर प्रतिरोध नहीं होता। कई बार मौन, धैर्य और विवेक ही सबसे बड़ी शक्ति बन जाते हैं। गणेशजी का वाहन मूषक भी अत्यंत अर्थपूर्ण है। मूषक चंचलता और छोटी-छोटी इच्छाओं का प्रतीक माना जाता है। मनुष्य का मन भी अनेक इच्छाओं के पीछे दौड़ता रहता है। जब गणेशजी जैसे विवेक के देवता उस चंचल मन पर नियंत्रण रखते हैं, तब संदेश मिलता है कि इच्छाएं मनुष्य को नहीं चलाएं, बल्कि मनुष्य अपनी इच्छाओं को दिशा दे। यही तो अध्यात्म है।अध्यात्म संसार से भागना नहीं, बल्कि संसार में रहते हुए अपने मन को साधना है। ह्लगणपति बप्पाह्व में छिपा अपनापन हम ईश्वर को अनेक नामों से पुकारते हैं। कोई प्रभु कहता है, कोई भगवान, कोई परमात्मा, कोई ईश्वर। लेकिन जब भक्त गणपति को ह्लबप्पाह्व कहता है, तो ईश्वर और भक्त के बीच की दूरी जैसे समाप्त हो जाती है। बप्पाह्व में पिता का भाव है, संरक्षण का भाव है, भरोसे का भाव है। जब जीवन में रास्ते बंद दिखाई देते हैं, जब कठिनाइयां मनुष्य को चारों ओर से घेर लेती हैं, जब अपने भी पराए लगने लगते हैं, तब श्रद्धा से निकला एक स्वर मन को सहारा देता है– गणपति बप्पा मोरया! यह स्वर कहता है कि हम अकेले नहीं हैं। कोई ऐसी शक्ति है जिसके सामने अपनी चिंता रखी जा सकती है। कोई ऐसी सत्ता है जिसके चरणों में मन का भार रखा जा सकता है। ईश्वर समस्याओं को हमेशा हमारी इच्छा के अनुसार समाप्त कर दें, यह आवश्यक नहीं; लेकिन ईश्वर पर विश्वास मनुष्य को समस्याओं से लड़ने का साहस अवश्य देता है। विघ्नहर्ता की आराधना और जीवन की बाधाएं श्रीगणेश को विघ्नहर्ता कहा जाता है। मनुष्य चाहता है कि उसके जीवन में कोई बाधा न आए। लेकिन क्या बाधारहित जीवन संभव है? शायद नहीं। बाधाएं जीवन का हिस्सा हैं। वे कभी आर्थिक संकट के रूप में आती हैं, कभी पारिवारिक तनाव के रूप में, कभी बीमारी, असफलता, अकेलेपन या निराशा के रूप में। कभी-कभी परिस्थितियां इतनी कठिन हो जाती हैं कि मनुष्य स्वयं से पूछ बैठता है–अब आगे क्या? यहीं से अध्यात्म मनुष्य का हाथ पकड़ता है। गणेशजी की आराधना हमें यह नहीं सिखाती कि जीवन में कभी कठिनाई नहीं आएगी। वह सिखाती है कि कठिनाई आने पर बुद्धि न खोओ, धैर्य मत छोड़ो और विश्वास को टूटने मत दो। जिस व्यक्ति का विवेक जागृत है, वह अंधकार में भी रास्ता खोज सकता है। गणेशजी और बुद्धि-विवेक श्रीगणेश को बुद्धि और विवेक का देवता माना जाता है। आज के युग में इसकी आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। हमारे पास सूचना बहुत है, लेकिन विवेक कितना है? हमारे पास साधन बहुत हैं, लेकिन संतोष कितना है? हमारे पास बोलने के अनेक माध्यम हैं, लेकिन सुनने का धैर्य कितना है? हम तकनीकी रूप से आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन क्या मनुष्य भीतर से भी उतना ही समृद्ध हो रहा है? आज मनुष्य के हाथ में संसार की जानकारी पहुंच गई है, लेकिन अपने मन को समझने की क्षमता कहीं-कहीं कमजोर पड़ती जा रही है। ऐसे समय में गणेशजी का स्मरण हमें बाहरी उपलब्धियों के साथ आंतरिक विकास की भी याद दिलाता है। ज्ञान वह है जो हमें बहुत कुछ बताता है, पर विवेक वह है जो हमें बताता है कि क्या करना चाहिए। इसीलिए गणपति की आराधना केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण जीवन की प्रेरणा भी है। अहंकार का अंत ही सच्ची विजय गणेशजी के माता-पिता भगवान शिव और माता पार्वती हैं। गणेशजी की कथाएं केवल धार्मिक आख्यान नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन का भी स्रोत हैं। उनसे जुड़ी अनेक कथाओं में आज्ञापालन, कर्तव्य, मातृ-पितृ सम्मान, बुद्धि, धैर्य और अहंकार-विनाश के संदेश मिलते हैं। मनुष्य की सबसे बड़ी कमजोरी उसका अहंकार है।

धन आया तो अहंकार।
पद मिला तो अहंकार।
ज्ञान आया तो अहंकार।
सत्ता मिली तो अहंकार।
लोकप्रियता मिली तो अहंकार।

लेकिन संसार में कुछ भी स्थायी नहीं है। आज जो शिखर पर है, वह कल नीचे भी आ सकता है। आज जिसके पास शक्ति है, कल उसे किसी और के सामने सहायता की आवश्यकता पड़ सकती है। गणेशजी का विशाल स्वरूप हमें विनम्रता का पाठ पढ़ाता है। जिसके भीतर जितना बड़ा ज्ञान होता है, उसके भीतर उतनी ही बड़ी विनम्रता होनी चाहिए। अध्यात्म मनुष्य को ऊंचा उठाता है, लेकिन साथ ही झुकना भी सिखाता है। उत्सव से आगे बढ़कर उत्सर्ग गणेशोत्सव भारत की सांस्कृतिक चेतना का महत्वपूर्ण पर्व है। घर-घर में गणपति विराजते हैं, सार्वजनिक पंडाल सजते हैं, आरती होती है, भजन होते हैं, श्रद्धालु एकत्र होते हैं और वातावरण भक्तिमय हो उठता है। लेकिन इस उत्सव का वास्तविक अर्थ केवल सजावट, धूमधाम और आयोजन तक सीमित नहीं होना चाहिए। गणपति की स्थापना के साथ यदि हम अपने भीतर भी कुछ स्थापित कर सकें तो पर्व सार्थक होगा।

मन में सत्य स्थापित हो।
व्यवहार में विनम्रता स्थापित हो।
विचारों में विवेक स्थापित हो।
परिवार में प्रेम स्थापित हो।
समाज में समरसता स्थापित हो।
प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व स्थापित हो।

तभी गणपति उत्सव केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं रहेगा, बल्कि सामाजिक और आध्यात्मिक जागरण का पर्व बन जाएगा। गणपति विसर्जन का गहरा संदेश गणेशोत्सव का सबसे मार्मिक पक्ष है–विसर्जन। जिस गणपति को हम श्रद्धा से घर लाते हैं, जिनकी आरती करते हैं, जिनके सामने अपनी इच्छाएं रखते हैं, अंततः उन्हीं को विदा करना पड़ता है। यहीं भारतीय अध्यात्म जीवन का एक बहुत बड़ा सत्य सामने रखता है– जो आया है, उसे जाना है। संसार में कुछ भी स्थायी नहीं है। शरीर नश्वर है, धन नश्वर है, पद नश्वर है, यश नश्वर है और परिस्थितियां भी नश्वर हैं। फिर मनुष्य किस बात का अहंकार करे? गणपति विसर्जन हमें मोह से मुक्ति का संदेश देता है। यह बताता है कि प्रेम करो, श्रद्धा करो, सेवा करो, लेकिन परिवर्तन को स्वीकार करना भी सीखो। विसर्जन अंत नहीं, पुनः आगमन की आशा है। इसीलिए भक्त विदाई के समय भी कहता है–ह्लगणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ ह्व यह पुकार केवल अगले वर्ष के आगमन की इच्छा नहीं, बल्कि उस आध्यात्मिक विश्वास की अभिव्यक्ति है कि ईश्वर हमारे जीवन में बार-बार शुभता, विवेक और मंगल लेकर आएं। मिट्टी की प्रतिमा और मनुष्य का जीवन गणेशजी की प्रतिमा मिट्टी से बनती है और अंततः उसी प्रकृति में विलीन हो जाती है। यह दृश्य मनुष्य को उसके वास्तविक स्वरूप की याद दिलाता है। हम भी प्रकृति से बने हैं और अंततः प्रकृति में ही लौटना है। फिर प्रकृति का अपमान क्यों? नदियों को प्रदूषित करके, पेड़ों को काटकर, मिट्टी को विषैला बनाकर और जलस्रोतों को नष्ट करके हम आखिर किस विकास की ओर बढ़ रहे हैं? यदि गणपति प्रकृति से आते हैं और प्रकृति में ही विलीन होते हैं, तो गणपति उत्सव हमें प्रकृति-सम्मान का संदेश भी देना चाहिए। भक्ति वही श्रेष्ठ है जो प्रकृति की रक्षा करे। आरती के साथ यदि नदी स्वच्छ रखने का संकल्प लिया जाए, प्रसाद के साथ यदि भूखे को भोजन दिया जाए और पूजा के साथ यदि किसी जरूरतमंद की सहायता की जाए, तो ईश्वर की आराधना अधिक सार्थक हो सकती है। समाज को जोड़ने वाला गणपति आज समाज अनेक प्रकार के विभाजनों से गुजर रहा है। कहीं विचारों का संघर्ष है, कहीं राजनीतिक मतभेद हैं, कहीं आर्थिक असमानता है, कहीं परिवारों में दूरियां बढ़ रही हैं।ऐसे समय में गणपति का उत्सव हमें एकता का अवसर दे सकता है। गणपति के सामने अमीर-गरीब का अंतर नहीं रहता। बड़ा-छोटा नहीं रहता। सभी हाथ आरती के लिए उठते हैं। सभी कंठ एक ही स्वर में कहते हैं– गणपति बप्पा मोरया! यही सामूहिकता हमारी सामाजिक शक्ति है। धर्म का उद्देश्य मनुष्य को मनुष्य से दूर करना नहीं, बल्कि मनुष्य को मनुष्य के और निकट लाना होना चाहिए। यदि पूजा के बाद भी हमारे मन में किसी के प्रति घृणा बची हुई है, यदि हमारे व्यवहार में अहंकार है, यदि हम कमजोर को दबाते हैं और जरूरतमंद से मुंह मोड़ते हैं, तो हमें अपने भीतर झांकने की आवश्यकता है। ईश्वर मंदिर में जितने हैं, उतने ही मनुष्य के भीतर भी हैं। आज के समय में गणपति का संदेश आज का मनुष्य बहुत तेज गति से भाग रहा है। उसके पास समय कम है, इच्छाएं अधिक हैं। साधन बढ़े हैं, लेकिन मानसिक शांति घटती दिखाई देती है। हर कोई कुछ पाने की दौड़ में है। लेकिन गणेशजी हमें रुककर सोचने का संदेश देते हैं– क्या पाना है? क्यों पाना है? किस कीमत पर पाना है? और पाने के बाद मिलेगा क्या? यदि उपलब्धि के बाद शांति नहीं है तो उपलब्धि अधूरी है। यदि धन के बाद संतोष नहीं है तो धन अधूरा है। यदि ज्ञान के बाद विनम्रता नहीं है तो ज्ञान अधूरा है। यदि धर्म के बाद करुणा नहीं है तो धर्म अधूरा है। यही गणपति के आध्यात्मिक संदेश का सार है। गणपति आराधना का अर्थ अपने भीतर के गणेश को जगाना हर मनुष्य के भीतर एक चंचल मन है और एक जागृत विवेक भी। प्रश्न केवल इतना है कि हम किसे मजबूत कर रहे हैं? यदि मन इच्छाओं का दास बन गया तो जीवन अशांत होगा। यदि विवेक मन का मार्गदर्शक बन गया तो जीवन में संतुलन आएगा। गणेशजी की आराधना का एक अर्थ यह भी है कि हम अपने भीतर की बुद्धि को जागृत करें, अपने अहंकार को छोटा करें, अपनी सुनने की क्षमता बढ़ाएं और अपने कर्मों को शुभ बनाएं। ईश्वर के सामने दीप जलाना सरल है, लेकिन अपने भीतर का अंधकार मिटाना कठिन है। मंदिर में सिर झुकाना सरल है, लेकिन अहंकार को झुकाना कठिन है। गणपति को मोदक चढ़ाना सरल है, लेकिन किसी दुखी मनुष्य के चेहरे पर मुस्कान लाना कहीं बड़ी पूजा है। इसीलिए सच्ची आराधना कर्म से सिद्ध होती है। अंततः यही प्रार्थना जब भक्त कहता है– ह्लप्रथम पूज्य परमेश्वर ईश्वर, गणपति बप्पा मोरयाह्व तो वह अपने जीवन के आरंभ और अंत दोनों को ईश्वर के चरणों में समर्पित करता है। हे विघ्नहर्ता गणपति! हमारे जीवन से केवल बाहरी बाधाएं ही दूर न हों, हमारे भीतर के दोष भी दूर हों। हमें ऐसी बुद्धि मिले कि हम सही और गलत में अंतर समझ सकें। ऐसा विवेक मिले कि हम शक्ति का दुरुपयोग न करें। ऐसा हृदय मिले कि किसी के दुःख को देखकर हमारी आंखें नम हो जाएं। ऐसा मन मिले जिसमें छल-कपट के लिए स्थान न हो। ऐसा परिवार मिले जिसमें प्रेम और सम्मान बना रहे। ऐसा समाज बने जिसमें मनुष्य मनुष्य के काम आए। और ऐसा राष्ट्र बने जिसमें विकास के साथ संस्कार, विज्ञान के साथ विवेक और समृद्धि के साथ संवेदना भी आगे बढ़े। गणपति बप्पा केवल हमारे घरों में नहीं, हमारे विचारों में विराजें। वे केवल पूजा के आसन पर नहीं, हमारे आचरण में प्रतिष्ठित हों। उनका आशीर्वाद केवल हमारी इच्छाओं की पूर्ति न करे, बल्कि हमें इतना विवेक दे कि हम यह समझ सकें कि वास्तव में हमारे लिए क्या शुभ है। क्योंकि जीवन में सबसे बड़ी विजय बाधाओं को हटाने में नहीं, बल्कि बाधाओं के बीच भी सही मार्ग पर चलते रहने में है। आइए, गणपति के चरणों में यही संकल्प रखें–

बुद्धि मिले तो विनम्रता के साथ,
संपत्ति मिले तो सेवा के साथ,
शक्ति मिले तो संरक्षण के साथ,
ज्ञान मिले तो विवेक के साथ,
और जीवन मिले तो मानवता के साथ। तभी गणपति बप्पा मोरया का जयघोष केवल आकाश में नहीं गूंजेगा, बल्कि हमारे जीवन और समाज के आचरण में भी दिखाई देगा। प्रथम पूज्य परमेश्वर ईश्वर को शत-शत नमन। गणपति बप्पा मोरया!

भारत के लिए अवसर और चुनौतियों का नया मंच

- डॉ. सत्यवान सौरभ

ब्रिक्स आज केवल उभरती अर्थव्यवस्थाओं का आर्थिक समूह नहीं, बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था में वैश्विक दक्षिण की आवाज को प्रभावी बनाने वाला महत्वपूर्ण मंच बन चुका है। मूल रूप से ब्राजील, रूस, भारत और चीन से बने ह्यब्रिकह्न में 2011 में दक्षिण अफ्रीका के शामिल होने के बाद इसका नाम ब्रिक्स हुआ। 2024 में मिस्र, इथियोपिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात इसके पूर्ण सदस्य बने तथा जनवरी 2025 में इंडोनेशिया भी पूर्ण सदस्य के रूप में शामिल हुआ। इस विस्तार के साथ ब्रिक्स अब 11 प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं का समूह है।

भारत के लिए वर्ष 2026 विशेष महत्व रखता है, क्योंकि भारत ने 1 जनवरी 2026 से ब्रिक्स की अध्यक्षता संभाली है और नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी प्रस्तावित है। भारत की अध्यक्षता का केंद्रीय दृष्टिकोण लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सतत विकास पर केंद्रित है। यह अध्यक्षता भारत को केवल आयोजक की भूमिका नहीं देती, बल्कि समूह की प्राथमिकताओं और भविष्य की दिशा को प्रभावित करने का अवसर भी प्रदान करती है।

ब्रिक्स का सबसे बड़ा महत्व भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को मजबूत करने में है। भारत लंबे समय से ऐसी विदेश नीति का समर्थन करता रहा है जिसमें किसी एक शक्ति-गुट पर निर्भरता के बजाय विभिन्न देशों और मंचों के साथ अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप संबंध बनाए जाएँ। ब्रिक्स में चीन और रूस जैसे देशों के साथ भारत की भागीदारी है, वहीं भारत अमेरिका, यूरोप, जापान और अन्य शक्तियों के साथ भी समानांतर रूप से सहयोग करता है। इस प्रकार ब्रिक्स भारत की बहु-संरेखीय विदेश नीति को व्यावहारिक आधार प्रदान करता है।

ब्रिक्स का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूती देना है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में आज भी अनेक निर्णय ऐसी संरचनाओं के भीतर लिए जाते हैं, जिनमें विकासशील देशों का प्रतिनिधित्व उनकी आर्थिक और जनसंख्या संबंधी भूमिका के अनुरूप नहीं है। भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता लगातार उठाता रहा है। ब्रिक्स के माध्यम से विकासशील देश सामूहिक रूप से अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण और न्यायसंगत वैश्विक शासन व्यवस्था की मांग को मजबूत कर सकते हैं। आर्थिक दृष्टि से भी ब्रिक्स भारत के लिए महत्वपूर्ण है। विस्तृत सदस्यता का अर्थ है बड़े बाजारों, निवेश, ऊर्जा, व्यापार, प्रौद्योगिकी और आपूर्ति शृंखलाओं में सहयोग की नई संभावनाएँ। भारत के लिए यह अवसर विशेष रूप से इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वैश्विक अर्थव्यवस्था में संरक्षणवाद, व्यापारिक तनाव और आपूर्ति शृंखला के पुनर्गठन की प्रवृत्ति बढ़ रही है। ब्रिक्स के भीतर व्यापारिक बाधाओं को कम करने और भुगतान प्रणालियों को अधिक सुविधाजनक बनाने पर सहयोग भारत के आर्थिक हितों को लाभ पहुँचा सकता है। स्थानीय मुद्राओं में व्यापार और सीमा-पार भुगतान प्रणालियों पर सहयोग की संभावनाएँ भी इस दिशा में महत्वपूर्ण हैं। विकास वित्त के क्षेत्र में न्यू डेवलपमेंट बैंक ब्रिक्स की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल है। इसका उद्देश्य बुनियादी ढाँचे और सतत विकास से जुड़ी परियोजनाओं के लिए वित्त उपलब्ध कराना है। विकासशील देशों के लिए ऐसी संस्थाएँ इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे पारंपरिक वैश्विक वित्तीय संस्थाओं के विकल्प और पूरक दोनों के रूप में काम कर सकती हैं। भारत के लिए इसमें परिवहन, ऊर्जा, शहरी विकास, जलवायु और हरित बुनियादी ढाँचे से जुड़ी परियोजनाओं के लिए सहयोग की व्यापक संभावनाएँ हैं। लेकिन ब्रिक्स के सामने चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं। सबसे बड़ी चुनौती इसके सदस्य देशों के विविध और कई बार परस्पर विरोधी रणनीतिक हित हैं। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद तथा व्यापक रणनीतिक प्रतिस्पर्धा किसी भी गहरे राजनीतिक या सुरक्षा सहयोग को प्रभावित कर सकती है। रूस-पश्चिम संघर्ष, पश्चिम एशिया की परिस्थितियाँ और अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता जैसे वैश्विक घटनाक्रम भी ब्रिक्स के भीतर मतभेद पैदा कर सकते हैं। दूसरी चुनौती है विस्तार के बाद समन्वय की जटिलता। जब समूह छोटा था, तब साझा दृष्टिकोण बनाना अपेक्षाकृत आसान था। अब 11 पूर्ण सदस्यों और अलग-अलग स्तर के साझेदार देशों के साथ निर्णय-निर्माण अधिक जटिल हो गया है। प्रत्येक देश की आर्थिक संरचना, राजनीतिक प्राथमिकताएँ और विदेश नीति अलग हैं।

लेखी आश्वासन के बाद DYFI का बेमुदत धरना समाप्त

पालघर(उत्तरशक्ति)। तलासरी तहसील की जिला परिषद स्कूलों में कक्षा 9वीं और 10वीं के लिए शिक्षकों की नियुक्ति, जर्जर कक्षाओं की मरम्मत तथा अन्य विभिन्न मांगों को लेकर DYFI तलासरी तालुका समिति की ओर से पंचायत समिति कार्यालय के सामने चल रहा बेमुदत धरना आंदोलन आखिरकार समाप्त हो गया। प्रशासन की ओर से मांगों पर लिखित आश्वासन दिए जाने के बाद आंदोलन को स्थगित कर दिया गया।

धरना स्थल पर डहाणू विधानसभा क्षेत्र के विधायक विनोद निकोले ने पहुंचकर आंदोलनकारियों से चर्चा की तथा जिला एवं तहसील प्रशासन के साथ सकारात्मक समन्वय स्थापित किया। इसके बाद हुई चर्चा में जिला प्रशासन की ओर से कक्षा 9वीं एवं 10वीं के विद्यार्थियों के लिए आवश्यक शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया गया। वहीं तहसील प्रशासन की ओर से स्कूलों की वर्गखोलियों की मरम्मत सहित आंदोलनकारियों द्वारा रखी गई शेष सभी मांगों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का लिखित आश्वासन दिया गया। प्रशासन के इस आधिकारिक आश्वासन के बाद आंदोलनकारियों ने संतोष व्यक्त करते हुए अपना बेमुदत धरना आंदोलन आधिकारिक रूप से स्थगित कर दिया। शिक्षा से जुड़े लंबे समय से लंबित मुद्दों को लेकर प्रशासन और आंदोलनकारियों के बीच हुई चर्चा के माध्यम से समाधान का रास्ता निकलने को विद्यार्थियों के शैक्षणिक हित की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पंचायत समिति तलासरी की ओर से भी आंदोलन वापस लिए जाने की आधिकारिक जानकारी दी गई है।

मंत्री गणेश नाईक के जन्मदिन के उपलक्ष्य में बोईसर में महारक्तदान एवं स्वास्थ्य शिविर आज

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के पालक मंत्री एवं कैबिनेट मंत्री गणेश नाईक के जन्मदिन के उपलक्ष्य में रविवार 13 सितंबर 2026 को बोईसर पश्चिम स्थित डॉन बॉस्को स्कूल, खोदाराम बाग में महारक्तदान एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जनसेवा के उद्देश्य से आयोजित यह शिविर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा।

शिविर का आयोजन शिवशक्ति सामाजिक संगठन (बोईसर), श्रमिक कामगार संगठन तथा पालघर जिला ऑटो-रिक्शा टैक्सी चालक-मालक संगठन के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। आयोजकों के अनुसार शिविर में रक्तदान के साथ विभिन्न निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जायेंगी। शिविर में सामान्य स्वास्थ्य जांच, निःशुल्क नेत्र परीक्षण तथा जरूरतमंदों को आई-ड्रॉप का वितरण किया जायेगा। इसके अलावा महिलाओं के लिए निःशुल्क ब्रेस्ट स्क्रीनिंग की विशेष सुविधा उपलब्ध रहेगी। महिलाओं को निःशुल्क सेनेटरी पैड का वितरण भी किया जायेगा। आयोजकों ने बताया कि रक्तदान शिविर का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना और रक्तदान के प्रति नागरिकों में जागरूकता बढ़ाना है। स्थानीय उद्यमी, कामगार, युवा तथा समाजसेवी बड़ी संख्या में इसमें सहभागी होकर रक्तदान करने वाले हैं।

शिवशक्ति सामाजिक संगठन के पालघर प्रमुख एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता संजय जे. पाटील ने कहा कि परहित सरिस धर्म नहीं भाई की भावना को ध्यान में रखते हुए इस जनसेवा कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि रक्तदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, इसलिए अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान में सहभागी होना चाहिए।आयोजकों ने बोईसर एवं आसपास के नागरिकों से शिविर में बड़ी संख्या में उपस्थित होकर रक्तदान करने तथा निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की है।

अभिनेत्री सेलिना जेटली का पीएस फाउंडेशन में हुआ भव्य स्वागत

मुंबई। सामाजिक धार्मिक व शैक्षणिक संस्था पीएस फाउंडेशन के अँधेरी पूर्व एमआई डी सी स्थित कार्यालय में मशहूर अभिनेत्री सेलिना जेटली के सदिच्छा भेंट के दौरान भव्य स्वागत किया गया । जेटली का स्वागत संस्था अध्यक्ष व पूर्व पुलिस अधिकारी प्रदीप शर्मा और स्वावलंबन महिला समिति की अध्यक्षा स्वीकृति शर्मा द्वारा किया गया। द क्लास ऑफ 83 एस हुसैन जैदी की किताब भेंट की गई। इस किताब में 83 के दौरान मुंबई में बढ़ते आतंकवाद और उनके सफाये का वखूबी उल्लेख किया गया है। शर्मा दाम्पत्य द्वारा अभिनेत्री व समाजसेविका को यह किताब गर्मजोशी से भेंट की गई। जेटली ने शर्मा की समाजसेवा की तारीफ की। इस आत्मीय सम्मान से भाव विभोर सेलिना जेटली ने प्रदीप शर्मा और स्वीकृति शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज शर्मा दाम्पत्य की समाजसेवा को ब्यक्त करने के लिये हमारे पास शब्द नही है। निज संस्था पीएस फाउंडेशन विगत कई वर्षों से पूरे अँधेरी पूर्व विधानसभा में गरीबों, असहायों की मुफ्त दवा देकर उनके जीवन की रक्षा कर रहे हैं जो एक दूसरों के लिये मिसाल है। उन्होंने आगे कहा कि फाउंडेशन की एम्बुलेंस पूरी तरह से आधुनिक संसाधनों से लैस साथ में डॉक्टर,नर्स व दवाइयों का भंडार मौजूद रहता है। और बिना किसी भेदभाव के एम्बुलेंस फिल्टर पाढ़ा, विजय नगर, भवानी नगर, पाइप लाइन सागबाग,मरोल, एमआई डी सी, पम्प हाउस, चिमन पाढ़ा, नागरदास रोड, कोलडोंगरी, पुलिस कॉलोनी समेत अन्य स्थानों पर पहुँच कर जीवन रक्षक दवा देने का कार्य किया जा रहा। और प्रतिदिन इसी तरह से प्रदीप शर्मा का सहयोग पहुँच रहा है। जेटली ने जोर देते हुए कहा कि जब कि इंसान के स्वास्थ्य के रूप मे सार्वजनिक रूप से शर्मा जी द्वारा इतना बड़ा बीड़ा उठाना उनकी जनसेवा की दूरदर्शिता को पारदर्शी ढंग से दशार्ता है। जो आने वाले समय में अँधेरी विधानसभा ही नही बल्कि मुंबई के लिए सराहनीय योगदान और उदाहरण बनेगा।

मराठी अनिवार्य भाषा नहीं, बल्कि भक्ति और पहचान की भाषा हैः प्रताप सरनाईक

◆मीरा-भायंदर में 7 हजार अमराठी रिक्शा चालकों को मराठी भाषा के प्रमाण पत्र; 1.65 लाख से अधिक लोगों को दी गई मराठी की शिक्षा

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मराठी केवल एक अनिवार्य भाषा नहीं, बल्कि महाराष्ट्र की संस्कृति, भक्ति और पहचान की भाषा है। इस संदेश के साथ मीरा-भायंदर के गणसम्राज्ञी लता मंगेशकर नाट्यगृह में महाराष्ट्र माझा, मराठी माझा–संवाद भाषा मराठी भाषा प्रमाणपत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अमराठी रिक्शा चालकों को व्यावहारिक मराठी सीखने के लिए प्रोत्साहित किया गया और परिवहन मंत्री तथा धाराशिव जिले के पालक मंत्री प्रताप सरनाईक के हाथों मराठी भाषा के प्रमाण पत्र वितरित किए गए। यह पहल शिवसेना मीरा-भायंदर शहर प्रमुख एवं मराठी भाषा कार्यशाला के मुख्य समन्वयक सचिन मांजरेकर तथा उनके सहयोगियों के प्रयासों से आयोजित की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में रिक्शा चालक उपस्थित रहे। 7 हजार रिक्शा चालकों को प्रमाण पत्र इस अभियान के तहत मीरा-भायंदर शहर में लगभग 7 हजार अमराठी रिक्शा चालकों को चरणबद्ध तरीके से मराठी भाषा के प्रमाण पत्र वितरित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान 1,500 से अधिक रिक्शा चालकों की उपस्थिति रही। मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि अमराठी नागरिकों को महाराष्ट्र की संस्कृति और परंपरा से जोड़ना इस अभियान का प्रमुख

उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि कोंकण मराठी साहित्य परिषद, मुंबई मराठी साहित्य संघ सहित विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से हजारों अमराठी नागरिक व्यावहारिक मराठी सीख रहे हैं। 1 लाख 65 हजार 800 छात्रों को मराठी की शिक्षा सरनाईक ने बताया कि 1,800 केंद्रों के माध्यम से 180 कक्षाएं चलाकर 1 लाख 65 हजार 800 छात्रों को मराठी भाषा की शिक्षा दी गई है। उन्होंने कहा कि हिंदू हृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे मराठी भाषा अभियान को फिर से गति दी जा रही है। उन्होंने जानकारी दी कि यह अभियान 2 अक्टूबर 2026 से 23 जनवरी 2027 तक चलेगा। मुंबई और महाराष्ट्र में परिवहन व्यवसाय करने वाले लोगों को व्यावहारिक मराठी भाषा का ज्ञान होना आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि अमराठी रिक्शा चालकों को मराठी सीखने के लिए एक वर्ष का अतिरिक्त समय दिया गया है।

महाराष्ट्र माझा, पण मुंबई कुणाची? नाटक ने जगाई इतिहास की याद कार्यक्रम में महाराष्ट्र माझा, पण मुंबई कुणाची? नामक डेढ़ घंटे के नाटक का मंचन किया गया। नाटक में संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन, 107 शहीदों के बलिदान तथा आचार्य अत्रे, एस. एम. जोशी, सेनापति बापट और प्रबोधनकार ठाकरे जैसे नेताओं के ऐतिहासिक संघर्ष को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। संदीप जांगम के लेखन-निर्देशन और मनोहर गोलंबरे के संगीत ने दर्शकों को प्रभावित किया। कार्यक्रम में मौजूद मराठी और अमराठी नागरिकों ने नाटक के माध्यम से महाराष्ट्र के इतिहास और भाषा के प्रति जुड़ाव महसूस किया। किसी की नौकरी छीनना उद्देश्य नहीं

मंत्री प्रताप सरनाईक ने स्पष्ट किया कि मराठी भाषा के अभियान का उद्देश्य किसी की रोजी-रोटी छीनना या किसी के साथ अन्याय करना नहीं है। उन्होंने कहा कि महायुति सरकार रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ अमराठी नागरिकों को स्नेह और प्रेम से मराठी सिखाने का प्रयास कर रही है।

भिवंडी मनपा द्वारा महापौर के आदेश पर डामरीकरण का काम जोरशोर से शुरू

भिवंडी। आगामी 14 सितंबर से शुरू होने वाले सार्वजनिक गणेशोत्सव को देखते हुए भिवंडी मनपा प्रशासन ने शहर की खराब सड़कों और गड्ढों की मरम्मत का काम शुरू कर दिया है। सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों के पदाधिकारियों ने खराब सड़कों के कारण बड़ी गणेश प्रतिमाएं लाने में हो रही परेशानी को लेकर महापौर नारायण चौधरी से शिकायत की थी। इस पर महापौर ने तत्काल संज्ञान लेते हुए पालिका प्रशासन को सड़कों की मरम्मत और डामरीकरण के निर्देश दिए। लगातार बारिश के कारण शहर के विभिन्न इलाकों की सड़कें गड्ढों से खराब हो गई हैं। इससे दुर्घटनाओं के साथ यातायात जाम की समस्या भी बढ़ गई है। पिछले करीब आठ दिनों से भिवंडी, ठाणे, कल्याण और मुंबई से सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों द्वारा बड़ी गणेश प्रतिमाएं वाहनों से शहर में लाई जा रही हैं। खराब और गड्ढों वाली सड़कों के कारण प्रतिमाएं लाने में मंडल पदाधिकारियों और कार्यकताओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। गणेश मंडलों की शिकायत के बाद महापौर नारायण चौधरी ने प्रभाग समिति अधिकारियों, विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ शहर के विभिन्न क्षेत्रों की सड़कों का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल गड्ढों की मरम्मत तथा डामरीकरण करने के निर्देश दिए। महापालिका के बांधकाम विभाग के अभियंता जमील पटेल के नेतृत्व में विशेष टीम ने रात से ही शहर के विभिन्न हिस्सों में सड़क मरम्मत और डामरीकरण का काम युद्धस्तर पर शुरू कर दिया है। गणेश मंडलों ने समय पर सड़कों की मरम्मत शुरू कराने के लिए महापालिका प्रशासन और महापौर नारायण चौधरी का आभार व्यक्त किया है।

81 वर्षीय असगर अली वोरा ने जमीन विवाद में प्रधानमंत्री से लगाई न्याय की गुहार

◆सेवन इलेवन कंस्ट्रक्शंस और नगर नियोजन विभाग पर गंभीर आरोप; चार दशक पुराने संपत्ति विवाद की जांच की मांग

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर में एक 81 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक द्वारा अपनी जमीन को लेकर किए गए गंभीर दावों ने स्थानीय प्रशासन, नगर नियोजन विभाग और भूमि संबंधी मामलों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। शिकायतकर्ता असगर अली वोरा का दावा है कि वे पिछले करीब 40 वर्षों से अपनी संपत्ति के अधिकार के लिए संघर्ष कर रहे हैं और स्थानीय स्तर पर न्याय नहीं मिलने के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हस्तक्षेप की मांग की है। वोरा के अनुसार, उन्होंने वर्ष 1989 में भायंदर पूर्व के नवघर रोड स्थित पुराने सर्वे नंबर 240 (नया सर्वे नंबर 185), प्लॉट नंबर 6 की करीब 2,810 वर्ग मीटर जमीन पंजीकृत समझौते के माध्यम से खरीदी थी। उनका दावा है कि उन्होंने यह जमीन किसी अन्य व्यक्ति को न तो बेची और न ही हस्तांतरित की। फर्जी दस्तावेज तैयार करने का आरोप शिकायतकर्ता का आरोप है कि वर्ष 2011 के आसपास उनकी जमीन से संबंधित कथित तौर पर फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए और इस मामले में वर्ष 2015 में एफआईआर भी दर्ज हुई थी। उनका कहना है कि इस मामले से संबंधित सीआईडी रिपोर्ट उन्हें करीब 11 वर्ष बाद, वर्ष 2026 में प्राप्त हुई। वोरा ने इस देरी को लेकर राजस्व विभाग और स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए यह जानने की मांग की है कि मामले की जांच में इतनी लंबी देरी क्यों हुई। जमीन के दो हिस्से किए जाने का दावा शिकायतकर्ता के मुताबिक,

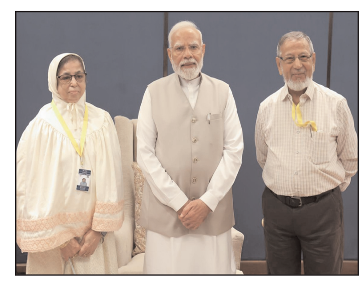

मूल मालिक को कथित तौर पर अंधेरे में रखते हुए जमीन को दो हिस्सों में विभाजित किया गया। उनके आरोप के अनुसार, जमीन के एक हिस्से पर ह्यस्वयं बिल्डर्स और दूसरे हिस्से पर सेवन इलेवन कंस्ट्रक्शंस का कब्जा अथवा अधिकार दशार्या गया। वोरा का यह भी आरोप है कि वर्ष 2025 में उनके खिलाफ बिना पूर्व सूचना दिए और उनका पक्ष सुने बिना कार्रवाई की गई। उन्होंने इस पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। नगर नियोजन विभाग की भूमिका पर उठाए सवाल शिकायतकर्ता ने मीरा-भायंदर महानगरपालिका के नगर नियोजन विभाग की भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं।

नमो एक्सप्रेस से 1500 गणेश भक्त कोंकण के लिए रवाना

मुंबई (उत्तरशक्ति)। गणेशोत्सव के अवसर पर मुंबई में रहने वाले चाकरमानियों को अपने गांव के गणपति बप्पा के दर्शन के लिए कोंकण जाने की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लोढ़ा फाउंडेशन की ओर से हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी विशेष ह्यनमो एक्सप्रेसह्ल की व्यवस्था की गई। शनिवार को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के प्लेटफॉर्म नंबर 18 से सुबह 11 बजकर 5 मिनट पर ट्रेन कोंकण के लिए रवाना हुई। मुंबई भाजपा अध्यक्ष तथा विधायक अमित साटम ने इस विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ट्रेन से 1500 से अधिक गणेश भक्त कोंकण के लिए रवाना हुए। नमो एक्सप्रेस छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से सावंतवाड़ी तक चलेगी।गणेशोत्सव के लिए अपने गांव जाने वाले चाकरमानियों के लिए यह विशेष सुविधा उपलब्ध कराई गई है। अपने परिवार के साथ और गांव के गणपति बप्पा के साथ गणेशोत्सव मनाने का अवसर मिल सके, इसी उद्देश्य से की गई इस पहल को गणेश भक्तों का उत्स्फूर्त प्रतिसाद मिला।

कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने कहा कि गणेशोत्सव प्रत्येक मराठी व्यक्ति की भावनाओं से जुड़ा हुआ पर्व है। मुंबई में नौकरी और व्यवसाय के सिलसिले में रहने वाले चाकरमानियों को अपने गांव के गणपति बप्पा के दर्शन के लिए जाने और अपने परिवार के साथ यह पर्व मनाने का अवसर मिले, यही इस पहल के पीछे की भावना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के मार्गदर्शन में हर वर्ष गणेश भक्तों के लिए विशेष रेल और बस सेवा की व्यवस्था की जाती है। मुंबई से कोंकण की ओर रवाना होते समय गणेश भक्तों के चेहरों पर दिखाई देने वाली खुशी ही इस पहल की सबसे बड़ी सफलता है।

आल स्पोर्ट्स कराटे डू फाउंडेशन द्वारा राष्ट्रीय मार्शल आर्ट एवं योग चैंपियनशिप स्पर्धा का आयोजन

भिवंडी। नारपोली, धामणकर नाका स्थित स्कॉलर हाईस्कूल एंड जूनियर कॉलेज के सभागृह में ऑल स्पोर्ट्स कराटे डू फाउंडेशन, भिवंडी एवं स्पोर्ट्स मार्शल आर्ट अकादमी इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में प्रथम राष्ट्रीय ऑल मार्शल आर्ट एवं योग चैंपियनशिप का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न स्थानों से पहुंचे खिलाड़ियों ने मार्शल आर्ट एवं योग में अपने हुनर का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का आयोजन किक पंच फाइट फेडरेशन इंडिया एवं स्पोर्ट्स मार्शल आर्ट अकादमी इंडिया के फाउंडर प्रेसिडेंट सैफन चांद पठान, सेक्रेटरी जुलेखा शेख तथा ऑल स्पोर्ट्स कराटे डू फाउंडेशन, भिवंडी के अध्यक्ष अली मेमन एवं कोषाध्यक्ष अंबर मेमन के मार्गदर्शन में

किया गया। कार्यक्रम में पैराडाइस इंग्लिश स्कूल की मुख्याध्यापिका संगीता नागवंशी, प्रेसिडेंसी इंग्लिश स्कूल की मुख्याध्यापिका खिलना शाह, वरिष्ठ पत्रकार खान फखरे आलम, असद कासमी, सीपीआई ठाणे जिला सहसचिव कॉ. इकबाल हुसैन खान, समाजसेवक हनीफ शेख उर्फ अन्नू सेठ, शफीकुर्रहमान खान सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। किक पंच फाइट प्रतियोगिता में सूफियान शेख एवं फातिमा शेख ने प्रथम स्थान प्राप्त कर ट्रॉफी जीती। वहीं कशफ इकबाल खान ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रजत पदक और द्वितीय स्थान की ट्रॉफी हासिल की। प्रतियोगिता में अरविंद जैसवार, अख्तर मोमीन, दीपेश पाटिल, इम्तियाज खान, सचिन, शमसुल्ला खान, आनंद नाईक, कमलाकर भोई, आवेश खान एवं लक्ष्मी गुप्ता सहित विभिन्न प्रशिक्षकों ने अपनी टीमों के साथ सहभागिता की। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पदक, ट्रॉफी एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि मार्शल आर्ट एवं योग के अभ्यास से बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास, एकाग्रता के साथ शारीरिक क्षमता का भी विकास होता है।

सेंट जॉन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, पालघर में राष्ट्रीय स्तर पर मना अभियंता दिवस

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। सेंट जॉन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (एसजेसीईएम), पालघर में शुक्रवार 11 सितंबर 2026 को राष्ट्रीय स्तर पर अभियंता दिवस समारोह का आयोजन उत्साह व गरिमामयी वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में इंजीनियरिंग विद्यार्थियों, प्राध्यापकों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों एवं शिक्षाविदों ने सहभागिता करते हुए नवाचार, रचनात्मकता एवं सतत भविष्य के निर्माण में इंजीनियरिंग की भूमिका पर अपने विचार साझा किये। इस वर्ष समारोह की थीम स्मार्ट इंजीनियरिंग फॉर ए सस्टेनेबल फ्यूचर थ्रू इनोवेशन एंड डिजिटलाइजेशन रखी गई थी, और कार्यक्रम की विभिन्न गतिविधियों को संयुक्त राष्ट्र के 17 सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) से जोड़ा गया। इसके माध्यम से युवा इंजीनियरों को तकनीक, रचनात्मकता और समस्या-समाधान कौशल के उपयोग से सामाजिक एवं पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान खोजने के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया गया। समारोह में अल्डेल शिक्षा ट्रस्ट के अध्यक्ष अल्बर्ट डब्ल्यू. डिसूजा, पालघर जिला कौशल विकास की सहायक आयुक्त रेणुका तम्मलवार, तथा एड्या-एआई के सह-संस्थापक, सीईओ एवं सीटीओ शायक मजूमदार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इनके अतिरिक्त

विभिन्न संस्थानों के वरिष्ठ शैक्षणिक प्रतिनिधि, विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी भी बड़ी संख्या में कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम की शुरूआत कैम्पस एंथम से हुई, जिसके पश्चात पारंपरिक दीप प्रज्वलन किया गया, जो ज्ञान, प्रज्ञा और प्रकाश का प्रतीक रहा। इस अवसर पर अतिथियों का विधिवत सत्कार एवं अभिनंदन किया गया तथा विशेष रूप से डिजाइन किये गये अभियंता दिवस लोगो का अनावरण भी किया गया, जो नवाचार, रचनात्मकता, तकनीक, टीमवर्क एवं इंजीनियरिंग उत्कृष्टता का प्रतीक है। अल्बर्ट डब्ल्यू. डिसूजा ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को आहवान किया कि वे उत्कृष्टता के लिए प्रयासरत रहें और शिक्षा तथा नवाचार के माध्यम से समाज के लिए सार्थक योगदान दें। रेणुका तम्मलवार ने युवाओं के लिए कौशल विकास, रोजगार-क्षमता और करियर अवसरों के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं शायक मजूमदार ने अपने उद्यमशीलता के अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को उभरती तकनीकों और नवाचार की संभावनाओं के विषय में मार्गदर्शन दिया।

समारोह का प्रमुख आकर्षण प्रोजेक्ट प्रदर्शनी एवं पोस्टर प्रतियोगिता रही, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को अपने तकनीकी ज्ञान, रचनात्मकता, टीमवर्क और समस्या-समाधान क्षमता को प्रदर्शित करने का अवसर मिला। प्रोजेक्ट प्रदर्शनी में 44 टीमों तथा पोस्टर प्रतियोगिता में 86 टीमों ने भाग लिया। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत परियोजनाओं एवं पोस्टरों का मूल्यांकन विशिष्ट अतिथियों तथा प्राध्यापकों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में पालघर जिले तथा आसपास के विभिन्न इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भी सहभागिता की।

आदित्य ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूटशंस ने गणमान्य व्यक्तियों के साथ 15 वर्ष पूरे होने का मनाया जश्न

मुंबई। आदित्य ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूटशंस (AGI) का 15वां स्थापना दिवस 12 सितंबर 2026 को बहुत ही उत्साह और भव्यता के साथ मनाया गया। यह आयोजन शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवाचार और संस्थान निर्माण के 15 वर्षों को समर्पित था। इस महत्वपूर्ण मील के पत्थर के अवसर पर शिक्षा जगत, सरकार, उद्योग, वास्तुकला, कला, पूर्व छात्रों, शिक्षकों और छात्रों से जुड़े प्रमुख लोग एकत्र हुए। कार्यक्रम में पूर्व सांसद और महाराष्ट्र विधानसभा के पूर्व सदस्य गोपाल शेट्टी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि पिछले 15 वर्षों में इस संस्थान ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और युवाओं के सपनों को साकार करने के लिए एक मजबूत प्रतिष्ठा बनाई है। शिक्षा सबसे

शक्तिशाली हथियार है जिसका उपयोग दुनिया को बदलने के लिए किया जा सकता है।

विधायक संजय उपाध्याय ने स्वामी विवेकानंद का हवाला देते हुए कहा कि शिक्षा व्यक्ति में पहले से मौजूद पूर्णता की अभिव्यक्ति है। उन्होंने प्रबंधन, संकाय, कर्मचारियों, छात्रों और पूर्व छात्रों के प्रयासों की सराहना की और आदित्य ग्रुप को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम की शुरूआत नासिक ढोल और तुतारी के साथ पारंपरिक स्वागत और दीप प्रज्वलन से हुई। Journey of Excellence at AGI शीर्षक की प्रस्तुति के माध्यम से संस्थान की 15 वर्षों की यात्रा को दशार्या गया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

जौनपुर दीवानी अधिवक्ता संघ चुनाव

अवधेश सिंह अध्यक्ष और मनीष सिंह बने मंत्री, समर्थकों में उत्साह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। दीवानी न्यायालय अधिवक्ता संघ के वार्षिक चुनाव के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। चुनाव में अवधेश सिंह ने अध्यक्ष पद पर जीत दर्ज की, जबकि मनीष सिंह मंत्री पद पर निर्वाचित हुए।

परिणाम घोषित होते ही कचहरी परिसर में विजयी प्रत्याशियों के समर्थकों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। समर्थकों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर जीत का जश्न मनाया। वरिष्ठ एवं युवा अधिवक्ताओं ने नई कार्यकारिणी को बधाई दी।

अधिवक्ताओं ने उम्मीद जताई कि नई टीम संगठन को मजबूत बनाने के साथ अधिवक्ताओं के हितों और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी ढंग से कार्य करेगी।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष अवधेश सिंह और मंत्री मनीष सिंह ने सभी अधिवक्ता साथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं ने जिस विश्वास के साथ उन्हें जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर खरा उतरने का हरसंभव प्रयास करेंगे। बार और बेंच के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए अधिवक्ताओं के कल्याण के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

हत्या के मामले में वांछित दो आरोपी गिरफ्तार, दोनों का लंबा आपराधिक इतिहास

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत लाइन बाजार पुलिस ने हत्या के मामले में वांछित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी थाना लाइन बाजार में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 376/2026, धारा 103(1), 3(5) और 351(3) बीएनएस में वांछित थे।

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नीरज यादव पुत्र महेन्द्र यादव निवासी गहोरा, थाना लाइन बाजार तथा मनीष यादव पुत्र उदय प्रताप यादव उर्फ लल्लन निवासी चांदपुर, थाना लाइन बाजार, जौनपुर के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार नीरज यादव के खिलाफ वर्ष 2021 से 2026 तक आयुध अधिनियम, मारपीट, धमकी, एनडीपीएस एक्ट, एससी/एसटी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में नौ मुकदमे दर्ज हैं। वहीं मनीष यादव के खिलाफ वर्ष 2016 से 2026 तक हत्या के प्रयास, मारपीट, बलवा, धमकी समेत विभिन्न धाराओं में 12 मुकदमे दर्ज बताए गए हैं।

गिरफ्तारी की कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक के.के. सिंह के नेतृत्व में निरीक्षक विजय शंकर यादव, हेड कांस्टेबल अमलेश सिंह, आरक्षी हरिकेश गौतम और आरक्षी रजनीश सिंह की टीम ने की।

पुलिस ने दोनों आरोपियों को आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया।

सपा की मासिक बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर जोर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी जौनपुर की मासिक बैठक शनिवार को जिला कार्यालय,

सदर चुंगी अल्फस्टीनगंज में वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष श्यामबहादुर पाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने तथा आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए श्यामबहादुर पाल ने पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने तथा पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

इस दौरान प्रदेश सचिव सुशील दुबे, जिला उपाध्यक्ष हीरालाल विश्वकर्मा, सुरेश यादव, उमाशंकर पाल, जिला सचिव राजदेव पाल, कैलाशनाथ यादव, भूपेश पाण्डेय, कमलेश यादव, रामकेश बिंद, दीपक विश्वकर्मा सहित विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के अध्यक्षों एवं पार्टी पदाधिकारियों ने अपने विचार रखे।

बैठक में इरशाद मंसूरी, ऋषि यादव, कमाल आजमी, भानु प्रताप मौर्य, अशफाक मंसूरी, राजा नवाब, आसिफ शाह, इंजीनियर अनुज दुबे, अशोक मिश्र, सोनी सेठ, रूबी बिंद एडवोकेट, पूनम यादव, संदीप बिंद, आलोक कुमार यादव, सलीम अहमद, राकेश लाला, सतीश यादव, धर्मेंद्र चौरसिया समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक का संचालन जिला महासचिव आरिफ हबीब ने किया।

बैठक के अंत में समाजवादी पार्टी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव लाल मोहम्मद राईनी के भतीजे के आकस्मिक निधन पर उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। साथ ही शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

वरिष्ठ अधिवक्ता जगदीश्वर जायसवाल का संयुक्त अधिवक्ता महासंघ ने किया सम्मान

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। दुद्धी के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं विधि के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले

जगदीश्वर जायसवाल का शनिवार को उनके निज निवास पर संयुक्त अधिवक्ता महासंघ उत्तर प्रदेश की ओर से गरिमापूर्ण सम्मान किया गया। इस दौरान उन्हें अंगवस्त्र, फटका, स्मृति चिन्ह एवं सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष एवं नोटरी अधिवक्ता राकेश शरण मिश्र, वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पूर्व अध्यक्ष सोनभद्र बार एसोसिएशन अमरनाथ मिश्र तथा दी सोनभद्र टैक्स बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष उमापति पांडेय ने जगदीश्वर जायसवाल को सम्मानित किया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने वरिष्ठ अधिवक्ता जगदीश्वर जायसवाल के विधि क्षेत्र में लंबे अनुभव, उल्लेखनीय योगदान एवं अधिवक्ता समाज के प्रति समर्पण की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि वरिष्ठ अधिवक्ताओं का सम्मान केवल उनका व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि विधि एवं न्याय व्यवस्था में उनके योगदान का सम्मान है। ऐसे आयोजनों से अधिवक्ता समाज में नई ऊर्जा का संचार होता है और युवा अधिवक्ताओं को वरिष्ठजनों के अनुभव एवं मार्गदर्शन से प्रेरणा मिलती है।

महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष राकेश शरण मिश्र ने कहा कि संयुक्त अधिवक्ता महासंघ उत्तर प्रदेश अधिवक्ताओं के सम्मान, अधिकारों एवं हितों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। वरिष्ठ अधिवक्ताओं का सम्मान महासंघ की प्राथमिकताओं में शामिल है।

अधिवक्ता उमापति पांडेय ने कहा कि जगदीश्वर जायसवाल का सम्मान विधि जगत में उनके योगदान के प्रति महासंघ की कृतज्ञता एवं सम्मान की अभिव्यक्ति है।

इस अवसर पर संयुक्त अधिवक्ता महासंघ उत्तर प्रदेश के जिला पदाधिकारी अवनीश मिश्र, महेश पांडेय, प्रदीप धर, राजेंद्र प्रसाद सहित समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संयुक्त सीएसआईआर-यूजीसी नेट परीक्षा में पीयू का परचम

सोनल शुक्ला को देश में दूसरी रैंक, रज्जू भैय्या के 6 विद्यार्थी उत्तीर्ण, रसायन में सूरज प्रजापति की 79वीं रैंक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के विद्यार्थियों और युवा शोधार्थियों ने संयुक्त सीएसआईआर-यूजीसी नेट जून 2026 परीक्षा में शानदार सफलता हासिल कर विश्वविद्यालय का नाम राष्ट्रीय

छह अभ्यर्थियों ने जेआरएफ एवं नेट में बनाई राष्ट्रीय पहचान, विज्ञान के विभिन्न विषयों में उल्लेखनीय प्रदर्शन

स्तर पर रोशन किया है। विश्वविद्यालय के प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भइया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान से अध्ययनरत एवं पूर्व विद्यार्थियों सहित कुल छह अभ्यर्थियों ने जेआरएफ एवं नेट में उल्लेखनीय रैंक प्राप्त की है। इनमें सोनल शुक्ला ने जेआरएफ में देशभर में द्वितीय रैंक प्राप्त कर इस उपलब्धि को विशेष बना दिया है।

विश्वविद्यालय के लिए सबसे उल्लेखनीय प्रदर्शन अर्थ एंड प्लैनेटरी साइंसेज विषय में रहा। एम.एससी. भूविज्ञान की छात्रा सोनल शुक्ला ने यूजीसी-जेआरएफ में द्वितीय रैंक हासिल कर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट परिचय दिया। इसी विषय में एम.एससी.भूविज्ञान के अनन्य पांडेय ने 29वीं रैंक प्राप्त कर संस्थान की सफलता को और मजबूती दी।

रसायन विज्ञान में सूरज प्रजापति ने सीएसआईआर-जेआरएफ में 79वीं रैंक प्राप्त की। उन्होंने रज्जू भइया संस्थान से एम.एससी.रसायन विज्ञान की उपाधि प्राप्त की है और वर्तमान

में विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर नैनोसाइंस एंड टेक्नोलॉजी, रज्जू भइया संस्थान में डीएसटी-पर्स परियोजना के अंतर्गत शोध कार्य कर रहे हैं।

भौतिक विज्ञान में प्रवीण कुमार प्रजापति ने नेट में 118वीं रैंक प्राप्त की। वे रज्जू भइया संस्थान से एम.एससी.भौतिकी के विद्यार्थी रहे हैं तथा विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर रिन्यूएबल एनर्जी में डीएसटी-पर्स परियोजना के अंतर्गत भी कार्य कर चुके हैं। गणितीय विज्ञान में भी विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय सफलता दर्ज की। एम.एससी.गणित के प्रदुम कुमार शर्मा ने सीएसआईआर-जेआरएफ में 122वीं रैंक हासिल की, जबकि अनंत चौधरी ने नेट में 106वीं रैंक प्राप्त की।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर. के. सिंह ने उत्तीर्ण विद्यार्थियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणित तथा अर्थ एंड प्लैनेटरी साइंसेज जैसे विविध क्षेत्रों में एक साथ मिली यह सफलता विश्वविद्यालय में निरंतर सुदृढ़ हो रही शोध संस्कृति, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, आधुनिक अनुसंधान सुविधाओं और प्रभावी अकादमिक मार्गदर्शन को रेखांकित करती है।

राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित परीक्षा में विद्यार्थियों और युवा शोधार्थियों की सफलता उनकी प्रतिभा, अनुशासन और सतत परिश्रम का परिणाम होने के साथ-साथ विश्वविद्यालय में विकसित हो रहे उन्नत शोध एवं अकादमिक परिवेश का भी सशक्त प्रमाण है। इन उपलब्धियों ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और शोध पहचान को नई मजबूती प्रदान की है तथा अन्य विद्यार्थियों को भी उच्च शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया है।

ट्रेन की चपेट में आने से अज्ञात व्यक्ति की मौत, गुजरात के पते का आधार कार्ड मिला

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। कपसेठी रेलवे स्टेशन से करीब 500 मीटर आगे शनिवार को रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आने से करीब 50 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची कपसेठी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की तत्काल पहचान नहीं हो सकी। घटनास्थल से करीब 100 मीटर दूर एक आधार कार्ड मिला, जिस पर शारदा प्रसाद यादव पुत्र रामपति यादव, निवासी वापी परदी, जिला वलसाड, गुजरात का पता दर्ज है। हादसे में चेहरा क्षतिग्रस्त होने के कारण फोटो से पहचान करने में पुलिस को परेशानी हो रही है। कालिका बाजार चौकी प्रभारी मधुसूदन त्रिपाठी ने बताया कि आधार कार्ड पर दर्ज पते के आधार पर गुजरात के संबंधित थाने को सूचना भेज दी गई है। पुलिस मृतक की शिनाख्त कराने के साथ ही आवश्यक कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान ही हमारा मूल उद्देश्य: राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया विधानसभा क्षेत्र के कंचनपुर चितईपुर स्थित कैंप कार्यालय पर शनिवार को राज्य मंत्री हंसराज

विश्वकर्मा ने जनसुनवाई की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र से आए लोगों की सड़क, नाली, जल निकासी, अवैध कब्जा सहित विभिन्न समस्याओं को गंभीरता से सुनी। मंत्री ने सभी समस्याओं के शीघ्र निस्तारण का आश्वासन देते हुए मौके पर ही फोन के माध्यम से संबंधित विभागों के अधिकारियों को जल्द से जल्द समाधान करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र का समग्र विकास और जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान करना ही उनका मूल उद्देश्य है। सरकार जनता के द्वार तक पहुंचकर उनकी परेशानियों को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध है। जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

बाजार से लापता 56 वर्षीय लल्लन गौतम का धान के खेत में मिला शव

10 सितंबर को साइकिल से साधीरनगंज बाजार गए थे, नहीं लौटे घर; शनिवार सुबह पानी में मिला शव, पुलिस ने शुरू की जांच

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रामपुर थाना क्षेत्र के सपही गांव निवासी 56 वर्षीय लल्लन गौतम का शव शनिवार सुबह साधीरनगंज बाजार के पास धान के खेत में पानी के बीच मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। लल्लन 10 सितंबर को साइकिल से साधीरनगंज बाजार गए थे, लेकिन इसके बाद घर वापस नहीं लौटे। शनिवार सुबह बाजार के पास धान के खेत में पानी के बीच शव दिखाई देने पर ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही रामपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच-पड़ताल की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार, लल्लन गौतम की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका स्पष्ट कारण अभी सामने नहीं आया है। मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के लिए कर्मचारियों को दिया गया प्रशिक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनगणना-2027 के द्वितीय चरण में जनसंख्या गणना की तैयारियों को लेकर डायट जौनपुर में महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जिले की सभी तहसीलों एवं नगर निकायों के सहायक चार्ज अधिकारी, जनगणना लिपिक, कम्प्यूटर ऑपरेटर, तकनीकी सहायक समेत अन्य संबंधित कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

प्रशिक्षण सत्र में जनगणना निदेशालय के प्रतिनिधि युवराज गर्ग ने गणना ब्लॉकों के गठन, पुराने गणना ब्लॉकों का पॉपुलेशन रेशनलाइजेशन तथा जनगणना कार्य में लगाए जाने वाले कार्मिकों का डेटाबेस तैयार करने से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बताया गया कि जनगणना के द्वितीय चरण में कुल 40 प्रश्न पूछे जाएंगे। इस चरण में जो व्यक्ति जहां मौजूद होगा, वहीं उसकी गणना की जाएगी। स्व-गणना की प्रक्रिया 16 नवंबर से 30 नवंबर तक चलेगी, जबकि जनसंख्या गणना का कार्य 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 तक कराया जाएगा।

युवराज गर्ग ने सभी सहायक चार्ज अधिकारियों एवं संबंधित कर्मचारियों से द्वितीय चरण के कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध ढंग से पूरा करने का अनुरोध किया। उन्होंने जनगणना कार्य में शुद्धता, पारदर्शिता और समयबद्धता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया।

प्रशिक्षण के दौरान जिला जनगणना लिपिक हर्षित श्रीवास्तव तथा जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर उमेश चन्द्र मिश्र, कमलेश यादव एवं अजय मौर्य ने कर्मचारियों को जनगणना कार्य की बारीकियों, तकनीकी प्रक्रिया और आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी।

विकास क्लब दुगार्पूजा समिति के अध्यक्ष फिर बने रवि जायसवाल, मनीष को सचिव की जिम्मेदारी

दुद्धी (सोनभद्र)। आगामी नवरात्र एवं दुगार्पूजा कार्यक्रम को लेकर विकास क्लब दुगार्पूजा समिति की बैठक दुद्धी नगर पंचायत स्थित श्री संकट मोचन मंदिर परिसर में आयोजित की गई। बैठक में पिछले वर्ष की समिति को भंग कर वर्ष 2026 के लिए नई कार्यकारिणी के गठन का प्रस्ताव रखा गया, जिसे सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई।

समिति के वरिष्ठ संरक्षक चन्द्रिका प्रसाद आढ़ती की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में नगर पंचायत अध्यक्ष कमलेश मोहन को मुख्य संरक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं, वर्ष 2026 के लिए पूर्व समिति को ही पुनः जिम्मेदारी देते हुए रवि जायसवाल को अध्यक्ष तथा मनीष जायसवाल को सचिव चुना गया।

कार्यकारिणी में संरक्षक मंडल में भोला प्रसाद, गणेश जौहरी, राकेश श्रीवास्तव, विष्णु अग्रहरी, देवेश मोहन, रामजी पांडेय, डॉ. हर्षवर्धन, राकेश आजाद एवं रामनरेश प्रसाद को शामिल किया गया। रविंद्र नाथ कोषाध्यक्ष तथा अनुरोध भोजवाल को सह कोषाध्यक्ष बनाए गए।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में संदीप कुमार गुप्ता, रंजीत सेठ, राजेश कसेरा एवं जयप्रकाश मोती तथा उपाध्यक्ष पद पर संदीप गुप्ता, भीम जायसवाल, प्रियांशु अग्रहरि, सोनू

जायसवाल को जिम्मेदारी दी गई। कल्याण मिश्रा को पूजा प्रभारी तथा ऋषभ मिश्रा, धनंजय कुमार, कुंदन एवं दिवाकर को सह सचिव बनाया गया।

इसके अलावा राकेश श्रीवास्तव एवं विष्णुकांत तिवारी को विधिक सलाहकार, पीयूष कसेरा, आशुतोष एवं यश कुमार को लेखा परीक्षक तथा करन कुमार एवं अभिषेक सिंह को सूचना मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई।

प्रसाद वितरण प्रमुख के रूप में टिंकू, अंकित, रूपेश, प्रज्ज्वल एवं अनमोल तथा साज-सज्जा प्रभारी के रूप में विशाल अग्रहरी को जिम्मेदारी दी गई। कार्यकारिणी सदस्यों में अविनाश, वाह-वाह, विवेक मोहन, रवि रंजन, अनुराग जायसवाल, रामसागर, विष्णुदयाल, गोलू कुमार, संतोष, अनिल, अभिषेक, प्रियांशु एवं आदित्य के नाम घोषित किए गए।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष रवि जायसवाल ने सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सभी के सहयोग से दुगार्पूजा का आयोजन शांतिपूर्ण एवं भव्य तरीके से संपन्न कराया जाएगा। उन्होंने समिति के सभी सदस्यों से आपसी सहयोग और जिम्मेदारी के साथ आयोजन को सफल बनाने का आह्वान किया।

डेंगू-मलेरिया की रोकथाम को स्वास्थ्य विभाग ने चलाया सघन अभियान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगरीय क्षेत्र के चाचकपुर फूलमंडी और उमरपुर में डेंगू, मलेरिया एवं चिकुनगुनिया की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग ने सघन अभियान चलाया। इस दौरान

स्वास्थ्य टीमों ने फीवर सर्वे करने के साथ मच्छरों के प्रजनन स्थलों को चिन्हित कर जलजमाव वाले स्थानों पर एंटीलार्वा रसायन का छिड़काव किया। जिला मलेरिया अधिकारी सुनील कुमार यादव के निर्देशन में उमरपुर क्षेत्र में दैनिक जागरण कार्यालय, नगर पालिका यार्ड, सहकारी कॉलोनी और आसपास के क्षेत्रों में टीम ने सर्वे किया। वहीं चाचकपुर फूलमंडी में भी स्वास्थ्य टीम ने सघन अभियान चलाकर मच्छर प्रजनन स्रोतों की जांच, सोर्स रिडक्शन, पोस्टर चस्पा, पंपलेट वितरण और स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चलाया। फीवर सर्वे के दौरान लक्षण मिलने पर दो लोगों की डेंगू और मलेरिया की जांच कराई गई, दोनों की रिपोर्ट निगेटिव आई। अभियान का पर्यवेक्षण जिला मलेरिया अधिकारी सुनील कुमार यादव एवं सहायक मलेरिया अधिकारी सुजीत प्रभाकर ने किया। जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि डेंगू, चिकुनगुनिया और मलेरिया मच्छरों से फैलने वाले संक्रामक रोग हैं। इनके प्रमुख लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, बदन दर्द, उल्टी-मितली, ठंड लगना और शरीर पर चकत्ते शामिल हैं। वर्तमान में जनपद में एलाइजा पुष्ट डेंगू के सात, चिकुनगुनिया का एक तथा मलेरिया के 18 मरीज रिपोर्ट किए गए हैं।

उन्होंने लोगों से घरों के आसपास साफ-सफाई रखने, जलजमाव नहीं होने देने, नालियों में कूड़ा न डालने, पूरी आस्तीन के कपड़े पहनने और सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करने की अपील की। किसी भी प्रकार का बुखार होने पर तत्काल नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच एवं उपचार कराने की सलाह दी गई।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार मेडिकल कॉलेज, जिला चिकित्सालय, सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में मलेरिया और डेंगू की जांच एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध है।

दंगा भड़काने और सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में आठ गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना लाइन बाजार पुलिस ने दंगा भड़काने, सरकारी कार्य में बाधा डालने और जानलेवा हमला करने के आरोप में आठ वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश किया।

पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। अपर पुलिस अधीक्षक नगर के दिशा-निर्देशन तथा सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण में लाइन बाजार पुलिस टीम ने मुकदमा अपराध संख्या 379/2026 से संबंधित आरोपियों को गिरफ्तार किया।

मामले में धारा 110, 324(4), 224, 225, 190, 191(2), 191(3), 189(2), 189(3), 126(2), 132, 221(1), 121(1), 115(2), 351(3), 352, 285 बीएनएस एवं 7 सीएलए एक्ट तथा बढ़ोत्तरी धारा 3(5) बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई है।

गिरफ्तार अभियुक्तों में सौरभ यादव निवासी रसैना, राहुल यादव निवासी तिवारीपुर, प्रियांशु यादव एवं पतिराम यादव निवासी कुद्दूपुर, प्रवीण कुमार सिंह उर्फ शनि सिंह निवासी कादीपुर, लल्लन सोनकर निवासी रंजीतपुर, अमित मौर्या उर्फ नाटे निवासी पचोखर तथा हरेराम यादव निवासी रंजीतपुर शामिल हैं।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक के.के. सिंह, निरीक्षक विजय शंकर यादव सहित थाना लाइन बाजार के पुलिसकर्मी शामिल रहे।

जिला महिला अस्पताल में गार्डों की दबंगई! मरीज के पति को बेल्ट-डंडों से पीटने का आरोप

मामूली कहासुनी के बाद राकेश प्रजापति पर टूट पड़े गार्ड, पिटाई से आई चोटें; वीडियो वायरल होने की सूचना, पीड़ित ने पुलिस व अस्पताल प्रशासन से लगाई गुहार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला महिला अस्पताल में सुरक्षा गार्डों की दबंगई का मामला सामने आया है। पत्नी का इलाज कराने अस्पताल पहुंचे राकेश प्रजापति को मामूली कहासुनी के बाद गार्डों द्वारा बेल्ट और डंडों से पीटने का आरोप है। मारपीट में राकेश को चोटें आने की बात सामने आई है। घटना के बाद अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने की सूचना है। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस और अस्पताल प्रशासन से करते हुए आरोपित गार्डों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मामले को लेकर अस्पताल प्रशासन और पुलिस की ओर से जांच के बाद स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है।

मछलीशहर में घर से डेढ़ लाख नकद समेत लाखों के आभूषण चोरी

मछलीशहर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कस्बे के मोहल्ला कजियाना में एक घर में चोरी की घटना सामने आने से हड़कंप मच गया। पीड़ित मो. इमरान पुत्र वशी खान ने आरोप लगाया है कि चोर घर से डेढ़ लाख रुपये नकद समेत लाखों रुपये कीमत के आभूषण चोरी कर ले गए। पीड़ित के अनुसार, घटना की जानकारी होने पर परिवार के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद उन्होंने मछलीशहर थाने में तहरीर देकर पुलिस से मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की। चोरी की घटना की जानकारी फैलते ही मोहल्ले के लोगों में भी दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने पुलिस से जल्द घटना का खुलासा करते हुए चोरों को गिरफ्तार करने की मांग की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दादा-दादी और नाना-नानी के प्यार से सजा किड्स जोन स्कूल का ग्रैंडपेरेंट्स सेलिब्रेशन

पटना(उत्तरशक्ति)। किड्स जोनझएन एलिमेंट्री स्कूल द्वारा रुकनपुरा स्थित रेड गार्डन मैरिज हॉल में ग्रैंडपेरेंट्स सेलिब्रेशन का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों और उनके दादा-दादी एवं नाना-नानी के बीच प्रेम, भावनात्मक जुड़ाव और पारिवारिक संस्कारों को और मजबूत करना रहा। कार्यक्रम में स्कूल के निदेशक अनिल सिंह की उपस्थिति में बच्चों एवं ग्रैंडपेरेंट्स ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। स्कूल की प्राचार्या प्रतिमा सिंह ने कहा कि दादा-दादी और नाना-नानी परिवार की वह धरोहर हैं, जिनसे बच्चों को प्रेम, संस्कार, अनुभव और जीवन की अनमोल सीख मिलती है। ग्रैंडपेरेंट्स सेलिब्रेशन के माध्यम से हमारा प्रयास है कि बच्चों को अपने ग्रैंडपेरेंट्स के साथ समय बिताने और उनके अनुभवों से सीखने का अवसर मिले। बच्चों की खुशी और ग्रैंडपेरेंट्स के चेहरे पर दिखाई देने वाली मुस्कान इस आयोजन की सबसे बड़ी सफलता है। हम चाहते हैं कि नई पीढ़ी अपने पारिवारिक मूल्यों और रिश्तों की अहमियत को हमेशा समझे और उनका सम्मान करे।

कार्यक्रम में बच्चों ने गीत, कविता और नृत्य के माध्यम से अपने दादा-दादी एवं नाना-नानी के प्रति प्रेम और सम्मान व्यक्त किया। फिल्मी क्विज और मनोरंजक गेम्स ने सभी का खूब मनोरंजन किया। बिंदी मूंछ एक्सप्रेस, म्यूजिकल पिलो, एड-मैड चैलेंज, धागा और मोती तथा रोल द यार्न जैसे खेलों में ग्रैंडपेरेंट्स ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत हमारी अनोखी फैमिली एक्ट ने भी दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं।

कार्यक्रम को सफल बनाने में स्कूल की शिक्षिकाओं एवं पूरे स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम में टैलेंट शो एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रैंडपेरेंट्स को सम्मानित किया गया। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों और ग्रैंडपेरेंट्स की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने पूरे कार्यक्रम को भावनात्मक एवं यादगार बना दिया।

पुलिस पर फायरिंग कर भाग रहे बदमाश को लगी गोली

मऊ। मऊ जिले में हलधरपुर थाना क्षेत्र में महिला से छिनैती की घटना में वांछित शातिर बदमाश को हलधरपुर पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की जवाबी फायरिंग में बदमाश के दाहिने पैर में गोली लगी। घायल को उपचार के लिए सीएचसी रतनपुरा में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने उसके कब्जे से अवैध तमंचा, कारतूस, पीली धातु की कान की बाली, मोबाइल फोन और घटना में प्रयुक्त होंडा शाइन बाइक बरामद की है। वहीं उसके दो साथी अंधेरे और झाड़ियों का फायदा उठाकर भाग निकले।

पुलिस के अनुसार 5 सितंबर 2026 को चकरा से जमीनसहरुल्ला मार्ग पर एक महिला से छिनैती की घटना हुई थी। मामले में हलधरपुर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। इसी मामले में वांछित अभियुक्तों की तलाश में पुलिस टीम शुक्रवार/शनिवार की देर रात मुखबिर की सूचना पर जमीन बेरुकी की ओर घेराबंदी कर रही थी।

पुलिस ने बदमाशों को पकड़ने का प्रयास किया तो उन्होंने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिस के मुताबिक फायरिंग में थानाध्यक्ष बाल-बाल बच गए। इसके बाद आत्मरक्षार्थ पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें मंयक उर्फ प्रिंस यादव (23) पुत्र ओमप्रकाश यादव निवासी टेघुनिया गोविंदपुर, थाना घोसी के दाहिने पैर में गोली लगी।

पुलिस ने घायल बदमाश को मौके से गिरफ्तार कर उपचार के लिए सीएचसी रतनपुरा पहुंचाया। उसके पास से 315 बोर का तमंचा, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस, 9 एमएम का एक खोखा कारतूस, की-पैड मोबाइल, एक जोड़ी पीली धातु की कान की बाली और होंडा शाइन मोटरसाइकिल बरामद हुई। पुलिस ने बताया कि बरामद कान की बाली छिनैती की घटना से संबंधित है। मामले में धारा 109(1), 3(5) बीएनएस और 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से मौत

मेरठ (उत्तरशक्ति)। मेरठ के परतापुर थाना क्षेत्र के गगोल गांव में बुधवार शाम लापता हुए नौ वर्षीय बालक की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। उसका शव करीब 16 घंटे बाद बृहस्पतिवार सुबह पास के एक खेत में पड़ा मिला। पुलिस ने विद्युत आपूर्ति बंद कराकर शव को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सिवाल खास निवासी अकरम गगोल गांव के पास खेत में बने मकान में परिवार के साथ किराये पर रहते हैं। उनका नौ वर्षीय बेटा शाद बुधवार शाम करीब चार बजे लापता हो गया था। परिजनों ने आसपास काफी तलाश की, लेकिन बालक का पता नहीं चला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने सीसीटीवी और अन्य माध्यमों की मदद से उसकी तलाश शुरू कर दी। बृहस्पतिवार सुबह शाद की मां ने पड़ोस के खेत में एक पतंग पड़ी देखी। इसके बाद खेत में तलाश करने पर बालक का शव पड़ा मिला। पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस के मुताबिक, शव करंट से झुलसा हुआ था। मौके पर विद्युत आपूर्ति बंद कराकर शव को खेत से बाहर निकाला गया। सीओ ब्रह्मपुरी राम प्रकाश के अनुसार, प्रथमदृष्टया आशंका है कि शाद पतंग लेने के लिए खेत में गया होगा। इसी दौरान वह हाईटेंशन लाइन के करंट की चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई। पुलिस अन्य पहलुओं से भी मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

दहेज हत्या में पति, सास-ससुर और देवर को 10-10 साल की सजा

आजमगढ (उत्तरशक्ति)। आजमगढ दहेज हत्या के मामले में सुनवाई पूरी करने के बाद अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट नंबर तीन अजय कुमार श्रीवास्तव ने पति, सास-ससुर और देवर को दोषी करार देते हुए 10-10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने प्रत्येक दोषी पर 20 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया। वहीं, पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में आरोपित ननद को दोषमुक्त कर दिया।अभियोजन पक्ष के अनुसार कंधरापुर थाना क्षेत्र के दूधनारा निवासी राहुल राय की बहन पूजा राय उर्फ सोनी की शादी पांच मई 2018 को गंभीरपुर थाना क्षेत्र के हरिश्चंद्रपुर निवासी सचिन राय के साथ हुई थी। शादी में मायके पक्ष ने अपनी हैसियत के अनुसार दान-दहेज दिया था। आरोप था कि शादी के बाद ससुराल पक्ष के लोग कार की मांग को लेकर पूजा का उत्पीड़न करने लगे। अभियोजन के मुताबिक तीन जनवरी 2020 को दहेज की मांग को लेकर पूजा राय को ससुराल में जला दिया गया। गंभीर रूप से झुलसी पूजा को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसी दिन शाम इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतका के भाई राहुल राय की तहरीर पर पति सचिन राय, सास मंजू देवी, ससुर राम दरश राय, ननद पूजा राय और देवर सुदीप उर्फ धीरज राय के खिलाफ दहेज हत्या की नामजद रिपोर्ट दर्ज हुई। पुलिस ने विवेचना के बाद तीन आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। बाद में पीड़ित के प्रार्थना पत्र पर अदालत ने पति सचिन राय और ननद पूजा राय को भी विचारण के लिए तलब किया। अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत में कुल आठ गवाह परीक्षित कराए। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने पति सचिन राय, सास मंजू देवी, ससुर राम दरश राय और देवर सुदीप उर्फ धीरज राय को दोषी करार दिया।

गुजरात में फिल्म अवॉर्ड समारोह पर सवाल उठाने वालों को परेश रावल का जवाब

मुंबई। गुजरात में 72 वें नेशनल फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड के आयोजन को लेकर उठ रहे सवालों पर मशहूर अभिनेता परेश रावल ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि जब दिल्ली में गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस की परेड हो सकती है, तो गुजरात में नेशनल फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड का आयोजन क्यों नहीं हो सकता? गुजरात भी देश का ही हिस्सा है।

शुक्रवार को श्री विले पार्ले केलवाणी मंडल (एसवीकेएम) की ओर से विले पार्ले (पश्चिम) स्थित मुकेश पटेल भवन में फिजियोथेरेपी क्लिनिक के उद्घाटन अवसर पर अभिनेता परेश रावल ने कहा कि 72 वें नेशनल फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड का आयोजन 22 सितंबर को गुजरात के केवडिया में होने वाला है। कुछ लोग सवाल उठा रहे हैं कि यह समारोह दिल्ली के बजाय गुजरात में क्यों आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ऐसे लोगों से मैं भी पूछना चाहता हूं कि गुजरात क्या बांग्लादेश में है? गुजरात क्या पाकिस्तान में है? गुजरात क्या हमारे देश का हिस्सा नहीं है? परेश रावल ने कहा कि जब देश के राष्ट्रीय पर्वों की परेड दिल्ली में आयोजित हो सकती है, तो गुजरात में फिल्म अवॉर्ड समारोह होने में क्या आपत्ति है। यह कोई बुरी बात नहीं है। उनका मानना है कि मनोरंजन से जुड़े समारोह देश के हर राज्य में आयोजित होने चाहिए।

फिजियोथेरेपी क्लिनिक को बताया जनहित का कदम

अभिनेता परेश रावल ने एसवीकेएम की ओर से शुरू किए गए फिजियोथेरेपी क्लिनिक को जनहित में महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में फिजियोथेरेपी स्वास्थ्य देखभाल का आवश्यक हिस्सा बन चुकी है। फिजियोथेरेपी का मैं भी बहुत पहले से आदि बन चुका हूं। इस अवसर पर परेश रावल ने एसवीकेएम के एनएमआईएमएस स्कूल ऑफ फिजियोथेरेपी द्वारा संचालित एसवीकेएम फिजियोथेरेपी की वेबसाइट भी लॉन्च की। इस अवसर पर एसवीकेएम के संयुक्त अध्यक्ष एवं ट्रस्टी भूपेश आर. पटेल सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

क्रिकेटिंग मजाक और मनोरंजन के साथ फैमिली फुल हाउस विद रोहित शर्मा का ग्रैंड प्रीमियर

पटना। फैमिली फुल हाउस विद रोहित शर्मा का ग्रैंड प्रीमियर 19 सितम्बर को रात 9:30 बजे सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर होगा। प्रीमियर एपिसोड में श्रेयस अय्यर, शार्दुल ठाकुर, अभिषेक नायर, डॉ. आदित्य दफ्तरी, कुणाल खेमू, स्पर्श श्रीवास्तव, निरहुआ और वंशिका धीर शामिल होंगे। नए प्रोमो में श्रेयस अय्यर और शार्दुल ठाकुर, रोहित शर्मा की मजेदार खिंचाई करते नजर आते हैं। वहीं कुणाल खेमू रोहित शर्मा की उस खास क्षमता की तारीफ करते हैं, जिससे वे कहीं भी माहौल को स्टेडियम जैसा बना देते हैं। प्रोमो में क्रिकेटिंग टीम कोई सहरी बाबू गाने पर डांस करती भी दिखाई देती है। रोहित शर्मा के लिए यह प्रीमियर खास है।

उन्होंने कहा, 19 सितम्बर को मेरा T20 में डेब्यू हुआ। और, 19 सितम्बर को टेलीविजन पर मेरा डेब्यू होगा। फैमिली फुल हाउस विद रोहित शर्मा का प्रीमियर 19 सितम्बर को रात 9:30 बजे केवल सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर होगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 59,218 मामलों का निस्तारण ,22 .57 करोड़ रुपये से अधिक की समझौता राशि, एमएसीटी के 121 मामलों में 8 .03 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद न्यायालय परिसर में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष सुशील कुमार शशि की अध्यक्षता में आयोजित लोक अदालत में कुल 59,218 मामलों का निस्तारण किया गया। इन मामलों में कुल 22,57,60,855 रुपये की समझौता राशि तय की गई।

लोक अदालत का शुभारंभ जनपद न्यायाधीश ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान उन्होंने अधिक से अधिक मामलों को आपसी सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित करने के लिए संबंधित अधिकारियों एवं न्यायिक अधिकारियों को प्रोत्साहित किया।

राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न न्यायालयों में लंबित 7,447 मामलों तथा राजस्व न्यायालयों एवं प्रशासनिक विभागों में प्री-लिटिगेशन के 51,771 मामलों का निस्तारण हुआ।

पारिवारिक न्यायालयों ने 70 मुकदमों का निस्तारण करते हुए पीड़िताओं को 38.10 लाख रुपये की समझौता राशि दिलाई। वहीं एमएसीटी में क्षतिपूर्ति के 135 मामले प्रस्तुत हुए, जिनमें 121 मामलों का निस्तारण कर याचीगण को 8.03 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति दिलाई गई।

स्थायी लोक अदालत में 18 में से 12 मामलों का निस्तारण हुआ और 54,52,544 रुपये की समझौता राशि तय हुई। विद्युत वसूली से संबंधित 619 वादों का भी निस्तारण किया गया।

विभिन्न न्यायालयों में 5,138 शमनीय फौजदारी मामलों का निस्तारण कर 5,79,220 रुपये अर्थदंड लगाया गया। एनआई एक्ट के 10 मामलों सहित अन्य 1,405 मामलों का भी निस्तारण हुआ।

राजस्व न्यायालयों में फौजदारी के 2,376, राजस्व के 735 तथा अन्य प्रकार के 47,442 मामलों का निस्तारण किया गया। नगर पालिका के जलकर से संबंधित 83 वाद भी निस्तारित हुए। बैंक, फाइनेंस कंपनियों एवं बीएसएनएल आदि से संबंधित 1,135 प्री-लिटिगेशन मामलों का निस्तारण करते हुए 13.32 करोड़ रुपये की समझौता राशि तय की गई।

लोक अदालत के दौरान विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत लाभार्थियों को भी सहायता प्रदान की गई। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत दो लाभार्थियों को पांच-पांच लाख रुपये के ऋण वितरित किए गए। श्रम विभाग की ओर से पात्र लाभार्थियों को क्षतिपूर्ति के चेक तथा दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों को स्टिक एवं अन्य सहायक उपकरण वितरित किए गए।

कार्यक्रम में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/नोडल अधिकारी लोक अदालत रणजीत कुमार, सिविल जज सीडी/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुशील कुमार सिंह, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय प्रीति श्रीवास्तव, पीठासीन अधिकारी एमएसीटी मनोज कुमार अग्रवाल, जिला उपभोक्ता फोरम के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह सहित न्यायिक अधिकारी, मध्यस्थ, कर्मचारी एवं पीएलवी मौजूद रहे।

इंदौर राजेंद्र नगर में ब्रिज रेलिंग तोड़कर 50 फीट नीचे गिरी थार:

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर में रात करीब 3.30 बजे राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र के प्रतीक सेतु ब्रिज पर तेज रफ्तार थार रेलिंग तोड़ते हुए करीब 50 फीट नीचे जा गिरी। हादसे में कार सवार चार लोग घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। कार पलटने के बाद उसमें सवार लोग अंदर फंस गए थे, जिन्हें बाहर निकाला गया।थार काफी तेज रफ्तार में थी। ब्रिज पर अनियंत्रित होकर वह रेलिंग तोड़ते हुए नीचे जा गिरी और पलट गई। टक्कर के बाद एयरबैग खुल गए। घायलों की पहचान आरती (25), अभिजीत (20), आदित्य और लावण्या के रूप में हुई है। हादसे में थार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, थार अन्नपूर्णा से बिजल पुर की तरफ जा रही थी। गनीमत ये रही कि प्रतीक सेतु ब्रिज पर हादसे के समय सड़क पर कोई वाहन नहीं था।एसीपी निधि सक्सेना ने बताया कि हादसा देर रात राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र के प्रतीक सेतु ब्रिज पर हुआ। ब्लैक कलर की थार करीब 50 फीट नीचे गिरी थी। हादसे में चार लोग घायल हुए हैं, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। मामले की जांच की जा रही है। कार चालक नशे में था या नहीं, यह भी पता लगाया जा रहा है।

धार्मिक प्रश्नोत्तरी में गूंजी संस्कृति की गूंज, विजेताओं का हुआ सम्मान, ज्ञान, संस्कार और भारतीय संस्कृति से जुड़ने का अनूठा प्रयास

उदयपुरवाटी। कस्बे के गौरव पथ स्थित दीपक पब्लिक शिक्षण संस्थान माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन के साथ उन्हें भारतीय धर्म एवं संस्कृति से जोड़ने के उद्देश्य से धार्मिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों से भारतीय धर्म, संस्कृति, परंपराओं एवं धार्मिक ज्ञान से जुड़े रोचक और ज्ञानवर्धक प्रश्न पूछे गए। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी जानकारी और स्मरण शक्ति का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर खुशबू सैनी ने प्रथम, गणेश सैनी ने द्वितीय तथा चांदनी सैनी एवं अश्विनी ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता विद्यार्थियों को कार्यक्रम के आयोजक डॉ. राजेन्द्र कुमावत द्वारा मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर डॉ. राजेन्द्र कुमावत ने कहा कि आज के डिजिटल युग में बच्चों को आधुनिक ज्ञान के साथ अपनी धर्म-संस्कृति, परंपराओं और गौरवशाली अतीत की जानकारी से जोड़ना भी उतना ही आवश्यक है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में जिज्ञासा, स्मरण शक्ति, तर्क क्षमता और संस्कारों का विकास करने के साथ उन्हें अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम का संचालन संजय कुमार ने किया। संस्था प्रधान हरलाल सिंह ने प्रतियोगिता की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास के लिए समय-समय पर इस प्रकार के ज्ञानवर्धक कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए। उन्होंने धार्मिक एवं सांस्कृतिक विषयों को रोचक तरीके से विद्यार्थियों तक पहुंचाने के प्रयास को सराहनीय बताया।

प्रधानाध्यापक ने आयोजन के लिए आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे ज्ञानप्रद एवं संस्कारपरक कार्यक्रम आयोजित करने का आग्रह किया। कार्यक्रम में अतिथि शिवपाल सैनी, अभिभावकगण, विद्यालय स्टाफ एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दुद्धी मंडल में गूंजा सेवा, समर्पण और संगठन का संकल्प

दुद्धी/सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी दुद्धी मंडल की ओर से आगामी सेवा संकल्प अभियान-2026 के सफल क्रियान्वयन को लेकर नगर पंचायत सभागार दुद्धी में मंडल स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में जीत सिंह खरवार ने शिरकत करते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं को अभियान की रूपरेखा, कार्यक्रमों के संचालन और जन-जन तक सेवा गतिविधियों को पहुंचाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि जीत सिंह खरवार ने कहा कि सेवा, समर्पण और संगठन के संकल्प के साथ जनसेवा का यह अभियान समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पूरे उत्साह और जिम्मेदारी के साथ अभियान के विभिन्न कार्यक्रमों में सहभागिता करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठन की शक्ति कार्यकर्ताओं की सक्रियता और सेवा भावना में निहित है।

बताया गया कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिवस के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत विभिन्न सेवा एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यशाला में इन कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन के लिए कार्यकताओं के बीच जिम्मेदारियों और तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यशाला की अध्यक्षता भाजपा दुद्धी मंडल अध्यक्ष दीपक शाह ने की। इस अवसर पर पूर्व भाजपा जिला मंत्री दिलीप पाण्डेय एडवोकेट, नगर पंचायत अध्यक्ष कमलेश मोहन, पूर्व मंडल अध्यक्ष सुमित सोनी, राज्यपाल द्वारा मनोनीत सभासद धनंजय रावत सहित मंडल पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मंडल महामंत्री प्रेमनारायण सिंह मोनू ने किया। कार्यशाला के दौरान पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने सेवा संकल्प अभियान को सफल बनाने तथा संगठन के संदेश को बूथ स्तर तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

आइसीएमआर में मनाया गया हिंदी उत्सव

मुंबई। राजभाषा विभाग,गृह मंत्रालय,भारत सरकार के निदेर्शों के अनुसार राष्ट्रीय रक्त एवं प्रतिरक्षा विकार अनुसंधान संस्थान मुंबई में बड़ी धूमधाम से हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। इसके अंतर्गत हिंदी में तमाम प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान के अधिकाधिक कर्मचारियों व अधिकारियों ने भाग लिया।

केम अस्पताल,परेल मुंबई के सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं के विजेताओं को पुरस्कार बांटे गए। इससे पूर्व संस्थान की निदेशक श्रीमती डॉ.मनीषा मडकईकर, सुरेश मिश्र, डा. बाबूराव बुनडींटी, अनिल परदेशी, सुप्रिया लाड़, डाक्टर उमेर बारगीर ने दीप प्रज्वलित करके समारोह का शुभारंभ किया।

सभी वक्ताओं ने हिंदी के उत्थान, प्रचार प्रसार,एवं अधिकाधिक प्रयोग करने का संकल्प लिया। इसके बाद हास्य सम्राट सुरेश मिश्र ने अपनी हास्य कविताओं से श्रोताओं को लोटपोट कर दिया। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन श्रीमती श्रेयसी आठल्ये ने किया। अमरेंद्र ठाकुर के सफल संयोजन व मार्गदर्शन में आयोजित इस समारोह में समिति के अध्यक्ष डॉ प्रभाकर केदार ,डॉ उमेर बारगीर, नितिन राजमणि, सोमप्रकाश धनगर, श्रीमती अपर्णा दलवी,, श्रीमती मीनाक्षी केसरकर, संतोष नाइक, आनंद सहित भारी संख्या में अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।